शर्मा हार्डओरेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 55 | गुवाहाटी | रविवार, 22 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सशक्त राजस्थान बनाने के लिए सबको करना होगा प्रयास : डिप्टी सीएम दिया कुमारी पेज 2
डिमोरिया के विभिन्न दल एवं संगठनों ने अवैध नागरिकों के खिलाफ किया प्रतिवाद पेज 3
पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने तिरुपति बालाजी के प्रसाद में मिलावट पर जताई चिंता पेज 5
अफगानिस्तान की द.अफ्रीका पर बड़ी जीत, गुरबाज ने ठोका शतक, सीरीज भी जीती पेज 7

प्रधानमंत्री के विरोध में आपत्तिजनक पोस्टर पर भाजपा का कांग्रेस पर वार

कहा, यह भारत विरोधी नफरत की दुकान का है इश्तेहार

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में न्यूयार्क में जारी आपत्तिजनक पोस्टर पर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए इसे अपमानजनक और घनघोर भर्त्सना योग्य पोस्टर बताया है। शनिवार को जारी किए गए अपने वीडियो में इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारतवासियों के मन में यह शक पैदा होता है कि भारत विरोधी स्थापित और प्रायोजित शक्तियों के मोहरों के साथ अमेरिका में गलबहियां और मुलाकात करके राहुल गांधी अभी कुछ दिन पूर्व ही स्वदेश लौटे हैं, कहीं यह उसी के बाद का प्रभाव तो नहीं है। या, यह वही जमात है जो अभी कुछ दिन पहले भारत विरोधी शक्तियों के मोहरों को राहुल जी से मिला रही थीं। आज उसी जमात का असली नफरती चेहरा, नफरत की उस दुकान के विज्ञापन के रूप में दिखाई पड़ रहा है। यह भारत विरोधी नफरत -शेष पृष्ठ दो पर

एयर मार्शल एपी सिंह को भारतीय वायु सेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया

नई दिल्ली (हिंस)। सरकार ने वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को देश का अगला वायु सेना प्रमुख नियुक्त किया है। वे 30 सितंबर की दोपहर से अगले वायु सेना प्रमुख के रूप में एयर चीफ मार्शल के पद पर कार्यरत होंगे। वह मिग-27 स्क्वाड्रन के फ्लाइट कमांडर, कमांडिंग ऑफिसर और एयर बेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग रहे हैं। वर्तमान वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी उसी दिन पदमुक्त होंगे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को दिसंबर, 1984 में भारतीय वायु सेना के लड़ाकब पायलट स्ट्रीम में शामिल किया गया था। लगभग 40 वर्षों की अपनी लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न कमांड, स्टाफ, इंस्ट्रक्शनल और विदेशी नियुक्तियों में काम किया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र एयर ऑफिसर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शिक्षक कभी साधारण नहीं होता। प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते है।

– चाणक्य

न्यूज गैलरी

प. बंगाल : 43 दिनों की हड़ताल के बाद काम पर लौटे जूनियर डॉक्टर

कोलकाता (हिंस)। 43 दिनों की हड़ताल के बाद जूनियर डॉक्टर ड्यूटी पर लौट आए हैं। शनिवार सुबह से ही आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल सहित विभिन्न सरकारी अस्पतालों के आपातकालीन सेवाओं में जूनियर डॉक्टर फिर से काम पर लौट आए। आरजी कर अस्पताल के ट्रॉमा केयर विभाग में वे अपनी ड्यूटी निभाने लगे हैं। जूनियर -शेष पृष्ठ दो पर

हेमंत सरकार ने की असम की नकल : हिमंता

रांची (हिंस)। झारखंड में जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के दौरान इंटरनेट सेवा को बंद रखने के आदेश पर असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि परीक्षा के समय इंटरनेट सेवा को बंद करना हेमंत सरकार ने असम सरकार से सीखा है। इसका दूसरा मतलब ये हुआ कि असम आज की तिथि में अन्य राज्यों को रास्ता दिखा रहा है। एक अन्य मुलाकत में हिमंता ने -शेष पृष्ठ दो पर

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बांटे गए थे तिरुपति से आए लड्डू : सत्येंद्र दास

अयोध्या (हिंस)। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसादम् लड्डू में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल से श्रद्धालु सकते में हैं। इसको लेकर रामनगरी के संतों में भी आक्रोश है। इसी बीच श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में तिरुपति से आए लड्डुओं को भी प्रसाद के रूप में वितरित किया गया था। सत्येंद्र दास ने समाचार को बताया कि विगत 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

आदिवासी युवा देश की रक्षा में लगा रहे जान की बाजी : राजनाथ

गढ़वा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा के दूसरे दिन शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने झारखंड के श्रीबंशीधर नगर में परिवर्तन यात्रा का नेतृत्व किया। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में आदिवासी युवाओं की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि झारखंड के आदिवासी युवा देश की रक्षा में अपनी जान की बाजी लगाकर सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। वे बहुत बहादुर होते हैं, और हमें उन पर गर्व है। राजनाथ ने कहा कि झारखंड राज्य को बने 24 वर्ष हो गए -शेष पृष्ठ दो पर

जिहाद और धर्मांतरण के कुचक्र को तोड़ेगा बजरंग दल : मिलिंद परांडे

जयपुर (हिंस)। बजरंग दल की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक जयपुर में आयोजित हो रही है, जिसमें सभी प्रांतों के सौ से अधिक प्रमुख कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। बैठक में हिंदू समाज के विरुद्ध षड्यंत्रपूर्वक धर्मांतरण तथा मुस्लिम समाज के एक वर्ग द्वारा लव जिहाद के आक्रमण को रोकने के लिए उपाय योजना का संकल्प लिया जाएगा। यह जानकारी विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने शनिवार को जयपुर के विश्व हिंदू परिषद कार्यालय भारत माता मंदिर में पत्रकारों को दी। परांडे ने बताया कि बजरंग दल हिंदू समाज की सेवा, संस्कार तथा सुरक्षा के लिए समर्पित युवा संगठन है। युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता के उद्देश्य से 23 से 30 नवंबर तक बजरंग दल द्वारा प्रखंड स्तर पर *रन फॉर हेल्थ* मैराथन का आयोजन होगा। नशामुक्ति के विषय पर 10 दिनों में 7 हजार से अधिक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों में लाखों युवा सहभागी होंगे। साथ ही हिंदू समाज में भाव जागरण के उद्देश्य से धार्मिक चिह्न त्रिशूल दीक्षा के लिए देश भर में व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्री तिरुपति मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी वाले घी के प्रयोग पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह हिंदू समाज की आस्था का घोर अपमान है। मंदिर ट्रस्टों पर सरकारी नियंत्रण तथा अन्य आस्थाओं के व्यक्तियों को मंदिर प्रबंधन में जगह देने से ऐसी निंदनीय घटना हुई है। देश में चर्च या मस्जिदें नहीं, केवल हिंदू मंदिर सरकारी नियंत्रण के अधीन -शेष पृष्ठ दो पर

विविधता में एकता भारतीय सनातन संस्कृति का विशिष्ट और प्राचीन गुण : भागवत

समालखा/नई दिल्ली (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आएसएस) के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत का कहना है कि विविधता में एकता भारतीय सनातन संस्कृति का विशिष्ट और प्राचीन गुण है। आज दुनिया भर में यूनिवर्सिटी इन डायवर्सिटी की जो चर्चा की जाती है, उन्हें हमारे जनजातीय समाज की पूजा पद्धति ही देख लेनी चाहिए। जिसका एक साथ प्रदर्शन आज यहां समालखा में हो रहा है। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर की दुर्गति के लिए नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस जिम्मेदार : अमित शाह

पुंछ (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को एक चुनावी जनसभा में नेशनल कांफ्रेंस, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि राज्य की दुर्गति के लिए ये दल ही जिम्मेदार हैं क्योंकि इन दलों के शासन के दौरान प्रदेश में आतंकवाद बढ़ा और हजारों लोग मारे गए। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के सुरनकोट में एक चुनावी जनसभा में केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने यहां 35 साल तक शासन किया। इस दौरान आतंकवाद बढ़ा, 40 हजार लोग मारे गए, जम्मू-कश्मीर तीन हजार दिनों तक बंद रहा, आठ साल तक यह अंधेरे में डूबा रहा। इसके लिए कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस जिम्मेदार हैं। शाह ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला ने लोगों में यह डर पैदा किया कि आतंकवाद जम्मू क्षेत्र के पुंछ, राजौरी, डोडा और पहा?यों में फैल जाएगा लेकिन किसी में भी पहाड़ों में आतंकवाद लाने की हिम्मत नहीं है। गृहमंत्री शाह ने कहा कि वे आपको विश्वास दिलाते हैं कि आतंकवाद को खत्म कर देंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने सिखों के खिलाफ टिप्पणी के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं और उस मोहब्बत की दुकान से आतंकवाद के लिए आदेश जारी करते हैं और कहते हैं कि पाकिस्तान से बातचीत करो। जब तक पाकिस्तान आतंकवाद बंद नहीं करता, तब तक पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। बातचीत केवल मेरे पहाड़ी बच्चों से होगी। उन्होंने क्षेत्र के लिए भाजपा के चुनावी वादों को भी दोहराया और कहा कि जम्मू कश्मीर की सबसे बुजुर्ग महिला को सालाना 18,000 रुपए दिए जाएंगे। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 2 सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। पीएम-किसान के तहत दी जाने वाली 6,000 रुपए की वार्षिक राशि को बढ़ाकर 10 हजार रुपए किया जाएगा। इससे पहले, मेंढर की जनसभा में -शेष पृष्ठ दो पर

आतिशी ने ली दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली (हिंस)। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राजनिवास में आयोजित एक समारोह में आतिशी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। दक्षिणी दिल्ली की कालका -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदुओं के मंदिरों को हिंदू बोर्ड के अधीन करे सरकार : धीरेन्द्र शास्त्री

छतरपुर (हिंस)। तिरुपति मंदिर प्रसादम विवाद पर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अगर यह सत्य है तो यह सनातनियों के खिलाफ सुनियोजित तरीके से किया गया षड्यंत्र है। सरकार को शीघ्र हिंदुओं के मंदिरों को हिंदू बोर्ड के अधीन कर देना चाहिए। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने शुक्रवार रात बागेश्वरधाम में प्रवचन के दौरान कहा कि दक्षिण भारत में तिरुपति बालाजी के प्रसाद में चर्बी के घी के लड्डू का प्रसाद वितरण की -शेष पृष्ठ दो पर

अपने भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए लोकतंत्र का गला घोट रही हेमंत सरकार : शिवराज

रांची (हिंस)। केंद्रीय मंत्री एवं विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जाते जाते राज्य सरकार जनता को परेशान करने का हर तरीका अपना रही है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सीटों को बेचने वाली यह सरकार आज इंटरनेट बंद कराकर अपनी नाकामियों को छुपाना चाहती है। जनता को सब पता है कि कैसे पिछले पांच वर्षों में हेमंत सरकार ने युवाओं की नौकरियों बेची हैं। कैसे पूरे के पूरे सेंटर बेंच दिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जांच एजेंसियों को मिले व्हाट्सअप चैट में तो प्रश्न पत्रों और उनके रेट तक उजागर हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना हो गए। वो वहां क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा में *भविष्य के शिखर सम्मेलन* को संबोधित करेंगे। उनका प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत का कार्यक्रम भी तय है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी छठे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने और संयुक्त राष्ट्र *भविष्य के शिखर सम्मेलन* को संबोधित करने के लिए अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। इससे कुछ समय पहले विदेशमंत्री जयशंकर ने एक्स हैंडल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका के कार्यक्रम की सूचना साझा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका में क्वाड शिखर सम्मेलन, सामुदायिक कार्यक्रम, भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के साथ अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

एनसीईआरटी ने कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तक में प्रकाशित चिट्ठी पर दिया स्पष्टीकरण

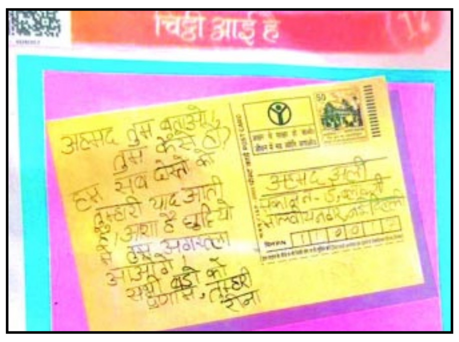

नई दिल्ली (हिंस)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 3 की पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) की पाठ्यपुस्तक में प्रकाशित चिट्ठी से संबंधित समाचार के बारे में स्पष्टीकरण जारी किया है। एनसीईआरटी ने कहा है कि पर्यावरण अध्ययन की कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तक में प्रकाशित चिट्ठी से संबंधित हाल ही में आई खबर का कोई आधार नहीं है। स्कबली शिक्षा के लिए नए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे 2023 के परिप्रेक्ष्य में, पर्यावरण अध्ययन के स्थान पर कक्षा 3 से प्रारंभिक चरण में एक नया विषय *हमारे आस-पास की दुनिया* शुरू किया गया है। यह एक अंत:विषय क्षेत्र है जो पर्यावरण शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करता है और साथ ही कक्षा 3 से विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में बुनियादी दक्षताओं के विकास का ख्याल रखता है। तदनुसार, एनसीईआरटी ने इस विषय के लिए सामाजिक पर्यावरण सहित व्यापक परिप्रेक्ष्य वाली नई पाठ्यपुस्तकें शुरू की हैं। इसलिए, पुरानी पाठ्यपुस्तकों -शेष पृष्ठ दो पर

फ्रोजन भ्रूण प्रत्यर्पण तकनीक से पैदा हुआ देश का पहला घोड़े का बच्चा *राज-शीतल*

बीकानेर (हिंस)। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र के बीकानेर परिसर के वैज्ञानिकों ने शनिवार को विट्रिफाइड (फ्रोजन) भ्रूण स्थानांतरण तकनीक के माध्यम से देश का पहला घोड़े का बच्चा पैदा किया है। यह जानकारी देते हुए केंद्र प्रभागाध्यक्ष डॉ.शरद चंद्र मेहता ने बताया कि इस बछड़े का नाम *राज-शीतल* रखा गया। बछेड़ा स्वस्थ है एवं उसका जन्म का वजन 20 किलोग्राम है। इस बछेड़े के उत्पादन के लिए घोड़ी को जमे हुए वीर्य (फ्रोजन सीमन) से गर्भित किया गया और भ्रूण को 7.5 वें दिन फ्लश कर अनुकबलित क्रायोडिवाइस का उपयोग करके विट्रिफाइ किया गया और तरल नाइट्रोजन में जमाया गया (फ्रिज किया गया)। पूरे 2 महीने के बाद भ्रूण को पिघलाया गया और गर्भावस्था प्राप्त करने के लिए सिंक्रनाइजड सरोगेट घोड़ी में स्थानांतरित किया गया। यह उपलब्धि केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों डॉ. टी राव तालुड़ी एवं टीम, जिसमें डॉ. सज्जन कुमार, डॉ. आर के देदड़, डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. एम कुट्टी, डॉ. एस सी मेहता, डॉ. टी के भट्टाचार्य एवं पासवान के अनुसंधान से प्राप्त हुई। स्वदेशी घोड़ों की नस्लों के संरक्षण के लिए तत्काल उपाय करने की आवश्यकता इस टीम ने आज तक मारवाड़ी घोड़े के 20 भ्रूण और जांस्कारी घोड़े के 3 भ्रूणों को सफलतापूर्वक विट्रिफाई किया है। ज्ञातव्य है कि भारत में घोड़ों की आबादी तेजी से घट रही है। 19वीं और 20वीं पशुधन गणना (2012-2019) के आंकड़ों से पता चला है कि इस अवधि के दौरान देश में घोड़ों की संख्या में 52.71 प्रतिशत की कमी आई है। इसलिए स्वदेशी घोड़ों की नस्लों के संरक्षण के लिए तत्काल उपाय करने की आवश्यकता है एवं इसी प्रयास में यह केंद्र देश के बहुमूल्य स्वदेशी घोड़ों की नस्लों के संरक्षण के लिए अथक प्रयास कर रहा है। वीर्य क्रायोप्रिजर्वेशन (फ्रोजन सिमन), कृत्रिम गर्भाधान, भ्रूण प्रत्यर्पण और भ्रूण क्रायोप्रिजर्वेशन जैसी प्रजनन तकनीकों का प्रयोग विभिन्न पशु प्रजातियों के संरक्षण में बहुत ही उपयोगी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सशक्त राजस्थान बनाने के लिए सबको करना होगा प्रयास : डिप्टी सीएम दिया कुमारी

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा में आयोजित लघु उद्योग भारती के राजस्थान प्रदेश सम्मेलन में प्रदेशभर से 160 औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और चार अन्य मंत्री मंच पर मौजूद थे। सम्मेलन में राजस्थान के लघु उद्योगों को बढ़ावा देने और उनके विकास पर विचार-विमर्श किया गया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के उद्योगों के विकास से ही राजस्थान एक सशक्त राज्य बन सकेगा। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य है कि राजस्थान वर्ष 2047 तक एक वैश्विक औद्योगिक हब बने। मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में, प्रदेश को इस दिशा में ले जाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। विदेशी निवेश लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और भीलवाड़ा, जो पहले से ही एक टेक्सटाइल हब है, इसमें प्रमुख भूमिका निभाएगा। दीया कुमारी ने बताया कि भीलवाड़ा के लिए टेक्सटाइल पार्क की घोषणा हो चुकी है और भूमि आवंटन की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। उन्होंने कहा, टेक्सटाइल पार्क से न केवल भीलवाड़ा की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। हम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 30 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे हैं, और राजस्थान इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कर्नल राठौड़ ने भीलवाड़ा को देश के प्रमुख टैक्सटाइल

हब के रूप में संबोधित किया और कहा कि यहां से विभिन्न देशों में बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा की टेक्सटाइल इकाइयां न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी अपनी गुणवत्ता और विविधता के लिए जानी जाती हैं। राठौड़ ने यह भी बताया कि 9 से 11 दिसंबर 2024 को जयपुर में होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से राज्य में निवेश को आकर्षित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उद्यमियों से इस समिट में भाग लेने और निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। सम्मेलन के दौरान उद्योगों के विकास के लिए विभिन्न सुझावों पर चर्चा हुई। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा और अन्य प्रमुख वक्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे राजस्थान को एक औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने के लिए सरकार और उद्यमियों के बीच सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। प्रकाश चंद्र, ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि देश के उद्योगों को मजबूती मिले और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हों। उन्होंने बताया कि राजस्थान में टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, मिनरल्स, और अन्य उद्योगों को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा ताकि राज्य में आर्थिक वृद्धि हो सके। सम्मेलन में उद्योगों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की गई। सम्मेलन प्रभारी रविंद्र जाजू ने भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क के क्रियान्वयन के लिए बिजली दरों में कमी और अनलिमिटेड सोलर पावर की मांग की। उन्होंने सरकार से यह भी आग्रह किया कि स्कबल ड्रेस निविदा की शर्तों में बदलाव किया जाए और ग्रोथ सेंटर में वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और ईएसआई अस्पताल की व्यवस्था की जाए। लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष शांतिलाल बालर ने सोलर नोटिफिकेशन, विद्युत दरों में संशोधन और फायर सेस में राहत की मांग की। उन्होंने कहा कि इन कदमों से उद्योगों को बड़ी राहत मिलेगी और राज्य में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी। सम्मेलन के दौरान महिला इकाई की सक्रिय भागीदारी भी देखी गई। पूर्व सांसद सुभाष बहेडिया, विधायक अशोक कोठारी, महापौर राकेश पाठक, और अन्य प्रमुख उद्योगपतियों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। भीलवाड़ा के प्रमुख उद्योगपति तिलोक चंद्र छाबड़ा, पंकज ओस्तवाल, संजीव चिरानिया, रामरतन जागेटिया, अजय मुंदड़ा सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

अखिलेश यादव का माफियाओं का गहरा नाता : सांसद साक्षी महाराज

जालौन (हिंस)। जालौन में अखिलेश यादव के बयान पर उन्नाव सांसद साक्षी महाराज ने पलटवार किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि मठाधीश बनने के लिए त्याग, विद्वता और तपस्या की आवश्यकता होती है। लेकिन माफिया बनने के लिए अत्याचार, व्यभिचार, जमीनों पर कब्जा और हत्याएं करनी पड़ती हैं। साक्षी महाराज ने यह भी आरोप लगाया कि अखिलेश की पार्टी का माफियाओं से गहरा संबंध है, और अतीक और मुख्तार जैसे उदाहरण सबके सामने हैं। बता दें कि साक्षी महाराज डकोर कोतवाली क्षेत्र के कुसमुलिया गांव में एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने लोगों से संबोधन के दौरान कहा कि बीजेपी सरकार में पूरे देश में विकास हो रहा है। रेल से लेकर एक्सप्रेसवे तक उड़ान भर रहे हैं। वहीं, उन्होंने समाजवादी पार्टी पर हमलावर होते हुए कहा कि अखिलेश के पिता मुलायम सिंह यादव ने कहा था कि बलात्कार में बच्चों से गलतियां होने की बात कही थी, लेकिन मठाधीश और माफिया में अंतर नहीं समझा जा सकता। इस बयान पर साधु समाज में आक्रोश है, और साक्षी महाराज ने कहा कि जनता 2027 में इसका परिणाम भुगतेगी।

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

नारनौल (हिंस)। भाजपा सह प्रभारी एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने शनिवार को अंबेडकर भवन महेंद्रढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा सहित अनेकों भाजपा नेता मौजूद रहे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि इस बार ज्यादा से ज्यादा मतदान कराए। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में हर कार्य योग्यता और पारदर्शिता से किया गया है। बिना भेदभाव के विकास करवाया गया है। जबकि कांग्रेस के कार्यकाल में गरीब व्यक्ति को भूमि और गहने बेचकर नौकरी मिलती थी। लेकिन भाजपा शासन काल में योग्यता के आधार पर गरीब से गरीब व्यक्ति का बच्चा अधिकारी लगा है। इसके अलावा किसान के खाते में सीधा पैसा डाला गया है। मुआवजा व बीमा दिया गया है। सरकार ने आयुष्मान कार्ड, हैप्पी कार्ड, किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना आदि से हर वर्ग को लाभान्वित किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर प्रत्येक वोटर को सरकार द्वारा किए गए कार्यों को बताएं। एक-एक वोटर से कमल के निशान पर मोहर लगाने की अपील करें। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह यादव के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान कर उन्हें जिताने की अपील की। उन्होंने स्थानीय कांग्रेस प्रत्याशी

राव दान सिंह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वो दागी है। उनकी गिरफ्तारी भी तय है। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस में दम है तो भूपेंद्र हुड्डा को चुनाव में सीएम प्रोजेक्ट करे। लेकिन वो ऐसा नही करेंगे क्योंकि उन्हें पता है हरियाणा में कांग्रेस साफ हो जाएगी। पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके मन में कमल है, उनके तन में कमल है, उनके जीवन में कमल है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब हेलिकॉप्टर से महेंद्रढ़ के कॉलेज ग्राउंड पर पहुंचे। यहां पर पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा व भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह यादव सहित उपस्थित सभी भाजपा नेताओं ने उनका फूल मालाओं व बुके देकर स्वागत किया।

योगी सरकार देव दीपावली पर 12 लाख दीयों से रोशन करेगी काशी के घाट

वाराणसी (हिंस)। इस बार 15 नवंबर (कार्तिक पूर्णिमा) को देव दीपावली मनायी जाएगी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार देव दीपावली को दिव्य व भव्य बनाने के लिए 12 लाख दीपों से घाटों और कुंडों को रोशन करेगी। इसमें लाखों दीये गाय के गोबर से बने होंगे। सरकार देव दीपावली को दिव्य और भव्य स्वरूप देने के लिए इसे पहले ही प्रांतीय मेला घोषित कर चुकी है। इस अवसर पर दिव्य लेकर शो और ग्रीन आतिशबाजी का भी आयोजन किया जाएगा। लोकल से ग्लोबल होती हुई देव दीपावली को देखने के लिए देशी-विदेशी पर्यटक भी काशी आते हैं। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने शनिवार को बताया कि काशी के 84 से अधिक गंगा घाटों, कुंडों और तालाबों पर इस साल राज्य सरकार की तरफ से और जनसहभागिता के जरिए 12 लाख से अधिक दीये जलाए जाएंगे। 12 लाख दीयों में ढाई से तीन

लाख दिये गाय के गोबर से बने होंगे। गंगा पार रेत पर भी दीये जलते हुए दिखेंगे। इससे घाट के पूर्वी क्षेत्र गंगा की रेत का इलाका भी पूरी तरह रोशनी से जगमग होगा। इसके अलावा घाटों की साफ-सफाई होगी और गंगा किनारे सदियों से खड़े ऐतिहासिक घाटों को फसाड लाइट और इलेक्ट्रिक लाइट से रोशन किया जाएगा। रावत ने बताया कि लेकर शो के माध्यम से घाट पर गंगा अवतरण और शिव महिमा की कहानी दिखाई जाएगी। गंगा पार रेत पर प्रदूषण रहित ग्रीन आतिशबाजी का भी शो किया जाएगा, जो पर्यावरण संरक्षण का संदेश देगा।

पृष्ठ एक का शेष

कहा, यह भारत विरोधी...

की दुकान का इश्तेहार है। सांसद त्रिवेदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि अधिक दुख इस बात का होता है कि जिस प्रधानमंत्री ने दस वर्षों में भारत को फ्रेजाइल फाइव से टॉप फाइव में पहुंचाया, जिसने 26 करोड़ लोगों को इन दस वर्षों में गरीबी से बाहर निकाला, जिसने भारत को पूरे विश्व में डिजिटल क्रांति का सिरमौर बनाया, जिसने आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को मजबूत किया। दस वर्ष पूर्व भारत का कोई ऐसा क्षेत्र, राज्य और बड़ा शहर नहीं था, जहां आतंकी हमले न होते हों पर उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा को प्रबल और सुदृढ़ किया, जन-जन तक भारत के विकास के सोपान को पहुंचाया। भारत के सामाजिक परिवर्तन के सबसे बड़े प्रतीक और पिछड़े समाज से आने वाले नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो सर्वसम्मति के साथ कुर्सी पर आए और संपूर्ण विश्व में उन्होंने भारत का मान ऊंचा किया। उन्होंने कहा कि एकमात्र भारत के प्रधानमंत्री जो मॉर्निंग कंसल्टेंट की रेटिंग में लगातार विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित हुए। एक मात्र विश्व के राष्ट्र अध्यक्ष जिनकी हाल ही में रूस के राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की, दोनों के साथ गले मिलते हुए फोटो दिखी, मगर अफसोस की बात यह है कि हमारे ऐसे प्रधानमंत्री जो हर भारतवासी के लिए भारत के गौरव, राष्ट्रीय अस्मिता और राष्ट्रवाद के एक महा मेरु पर्वत के रूप में दिखाई पड़ते हैं। दूसरी तरफ यह नफरती दुकान का इश्तेहार उसके ऊपर निम्न स्तरीय प्रहार करने का प्रयास दिखता है। ऐसे विज्ञापन देने वाले लोग जो भले हीं मुखौटा कोई और लगाएं हों, मगर सारा देश समझ रहा है कि पीछे से वह किसके द्वारा संचालित हैं। यह विज्ञापन भारत विरोधी शक्तियों की खिसियाहट, बौखलाहट और घबराहट का प्रतीक है।

एयर मार्शल एपी सिंह ...

एक योग्य उड़ान प्रशिक्षक और एक प्रायोगिक परीक्षण पायलट हैं, जिनके पास विभिन्न प्रकार के फिक्स्ड और रोटरी विंग विमानों पर 5,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। अपने करियर के दौरान एपी सिंह ने एक ऑपरेशनल फाइटर स्क्वाड्रन और एक फ्रंटलाइन एयर बेस की कमान संभाली है। परीक्षण पायलट के रूप में उन्होंने मास्को, रूस में मिग-29 अपग्रेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टीम का नेतृत्व किया। वह राष्ट्रीय उड़ान परीक्षण केंद्र में परियोजना निदेशक (उड़ान परीक्षण) भी थे और उन्हें लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, तेजस की उड़ान परीक्षण का काम सौंपा गया था। उन्होंने दक्षिण पश्चिमी वायु कमान में वायु रक्षा कमांडर और पूर्वी वायु कमान में वरिष्ठ वायु स्टाफ अधिकारी के रूप में महत्वपूर्ण स्टाफ नियुक्तियां की हैं। वायु सेना उप प्रमुख का पदभार संभालने से पहले वह मध्य वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ थे। विशिष्ट सेवा के लिए एयर मार्शल को 26 जनवरी, 2019 को भारत के राष्ट्रपति ने अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया था। उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है। मध्य वायु कमान की उपलब्धियों का एक समृद्ध इतिहास रहा है और पिछले कुछ वर्षों में इसने देश के आसमान की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कमान मुख्यालय सभी परिचालन गतिविधियों का केंद्र है और इस कमान के तहत स्क्वाड्रनों ने स्वतंत्रता के बाद से सभी प्रमुख अभियानों में भाग लिया है। मध्य वायु कमान ने सभी चुनौतियों का सामना करके युद्ध के साथ-साथ शांतिकाल में भी गौरव बढ़ाया है।

आदिवासी युवा देश ...

हैं और 15 नवंबर को यह रजत जयंती मनाएगा। इस अवसर पर उन्होंने झारखंड के सभी लोगों को बधाई दी। इससे पूर्व उन्होंने श्री बंशीधर मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। राहुल गांधी की आलोचना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत की आलोचना कर रहे हैं जबकि झारखंड जैसे राज्यों में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठ कर रहे हैं। यह घुसपैठ यहां की जनसांख्यिकी को बदलने का प्रयास है और हम इसे सहन नहीं करेंगे। भाजपा की सरकार बनते ही इस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आते ही यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य में घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो सबसे पहले राज्य में रुके हुए विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। बाबूलाल मरांडी ने वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार पर भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता अब परिवर्तन चाहती है और भाजपा की यह यात्रा उसी बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम, स्थानीय विधायक भानु प्रताप शाही और पूर्व सांसद सुनील सिंह समेत कई प्रमुख भाजपा नेताओं ने भी यात्रा को संबोधित किया।

जिहाद और धर्मांतरण ...

हैं। विश्व हिंदू परिषद की मांग है कि हिंदू मंदिरों पर हिंदू समाज का नियंत्रण होना चाहिए। हमारा प्रयास है कि मंदिरों का संचालन समाज के हर वर्ग का सहभाग हो तथा मंदिर धर्म व समाजसेवा का केंद्र बने। परांडे ने तुष्टीकरण रोकने को आवश्यक बताते हुए कहा कि आज देश के 10 राज्यों में मतांतरण के विरुद्ध कानून है तथा विश्व हिंदू परिषद के अनुसार इस विषय पर केंद्रीय कानून होना चाहिए। वक्फ संशोधन के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि वक्फ की तुलना मंदिरों से असंभव है। विश्व हिंदू परिषद राष्ट्रहित में लाए जा रहे ऐसे सभी संशोधनों का समर्थन करती है। गत दिनों गणपति उत्सव समेत अन्य हिंदू शोभायात्राओं पर पथराव तथा हिंदुओं के विरुद्ध लक्षित हिंसा की घटनाओं पर विरोध जताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी हिंसक जिहादी मानसिकता के विरुद्ध कठोर कार्रवाई अनिवार्य है तथा शोभायात्रा के रास्तों पर ड्रोन से निगरानी की जानी चाहिए। परांडे ने कहा कि रेलवे को निशाना बनाकर हजारों निर्दोषों की जान लेने के प्रयास राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है। ऐसे हमलों में जानबूझकर नाबालिगों का प्रयोग किया जा रहा है, इसलिए नाबालिगों द्वारा आतंकवाद जैसे जघन्य अपराधों पर बालिग के रूप में कार्रवाई करनी चाहिए।

विविधता में एकता ...

के कार्यकर्ता सम्मेलन में पारंपरिक पूजा पद्धति का उद्घाटन करते हुए संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि हिंदू जीवन पद्धति में प्राचीन काल से, सनातन काल से प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित कर उसकी पूजा की जाती रही है। इन पूजा पद्धतियों में विविधता है और एक समानता भी है। हमारे पुरखों ने प्रकृति में भी वही चैतन्य देखा जो उनके भीतर विद्यमान था। पेड़ पौधा, नदी जंगल जमीन पहाड़ यानी पंच तत्वों का उपासक हमारा समाज अपनी परंपरा से इसे संजोये हुए है। हमें दर्शन कर उसका महत्व समझना चाहिए। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इस अवसर पर देशभर की जनजातियों की भिन्न-भिन्न पूजा पद्धतियों को भी देखा और समझा। समालखा के सेवा साधना ग्राम के विशाल मैदान पर 80 टेंट्स में अलग-अलग जनजातियों के पुजारी और समाज प्रमुख अपने-अपने तरीके से पूजा की। एक प्रकार से भारतीय जनजातीय समाज का लघु रूप सबको दिखा। बड़ी संख्या में स्थानीय समाज वनवासी समाज की पूजा और संस्कृति देखने आया था। उल्लेखनीय है कि देश के सभी राज्यों की सभी जनजातियों के कुल मिलकर 2000 के करीब प्रतिनिधि समालखा में तीन दिन के लिए जुटे हैं। इस कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन प्रसिद्ध कथावाचक रमेश भाई ओझा ने किया। संघ प्रमुख रविवार को समापन के समय सबका मार्गदर्शन करेंगे।

जम्मू-कश्मीर की दुर्गति ...

शाह ने कहा कि 1947 से पाकिस्तान के खिलाफ लड़े गए हर युद्ध में इस धरती की रक्षा जम्मू-कश्मीर के सैनिकों ने की। 1990 के दशक में जब फारूक अब्दुल्ला के कारण आतंकवाद आया तो पहाड़ी, गुज्जर और बकरवाल भाइयों ने ही सीमाओं पर गोलियों का बहादुरी से सामना किया। कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के घोषणापत्र पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि यह चुनाव जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार के शासन को समाप्त करने जा रहा है। शाह ने स्थानीय युवाओं की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी पर भी प्रकाश डाला और कहा कि मोदी जी के अथक प्रयासों के कारण आज लगभग 30,000 कश्मीरी युवा अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए विभिन्न स्तरों पर चुनाव लड़ रहे हैं। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में यह पहला विधानसभा चुनाव है। जम्मू-कश्मीर में दूसरे और तीसरे चरण के लिए मतदान क्रमशः 25 सितंबर और एक अक्टूबर को होगा। मतों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी।

आतिशी ने ली ...

विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनीं आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले भाजपा से सुषमा स्वराज और कांग्रेस से शीला दीक्षित दिल्ली की कमान संभाल चुकी हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के संग पांच विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें एडवोकेट कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, मुकेश अहलावत, और इमरान हुसैन शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह से पहले आतिशी ने आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में कथित घोटाले के आरोपों के बाद जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद इस्तीफा दे दिया था। शपथ ग्रहण के पश्चात भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने आतिशी को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। उन्होंने दिल्ली सरकार के शेष कार्यकाल के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को पूरा सहयोग देने का भी आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त...

द्विपक्षीय बैठकों सहित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। अमेरिका से सूचना है कि इस समय न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के नासाउ वेटरंस मेमोरियल कोलिजीयम में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम की तैयारियां चल रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी तीन दिवसीय अमेरिका का यात्रा के दौरान 22 सितंबर को यहां प्रवासी भारतीयों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी विलमिंगटन (डेलावेयर) में छठे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसकी मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अपने गृहनगर में कर रहे हैं। भारत 2025 में क्वाड लीडर्स समिट की मेजबानी करेगा। क्वाड में चार देश आस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। अमेरिका ने कहा कि वह क्वाड में भारत को अगुआ के रूप में देखता है और चार देशों के इस समूह में उसकी भूमिका के लिए आभार व्यक्त करता है। सम्मेलन में आस्ट्रेलिया और जापान के प्रधानमंत्री भी शामिल होंगे। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में वरिष्ठ निदेशक मीरा रैप-हूपर ने ने कहा कि जब भारत की अपेक्षित भूमिका की बात आती है तो हम क्वाड के भीतर उसे अगुआ के रूप में देखते हैं। क्वाड देशों के नेता बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भी चर्चा कर सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन क्वाड नेताओं से अलग-अलग द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। इस बार क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत को करनी थी। वाशिंगटन के आग्रह पर भारत अगले वर्ष सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

अपने भ्रष्टाचार पर ...

युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट बंद होने से करोड़ों के व्यापार पर असर पड़ा है। आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।

हिंदुओं के मंदिरों ...

जानकारी सत्य है, तो यह बहुत बड़ा अपराध है। यह निश्चित रूप से भारत के सनातनियों के खिलाफ सुनियोजित तरीके से किया गया षड्यंत्र है। इस प्रकार का कृत्य करके भारत के सनातनियों का धर्म भ्रष्ट करने की पूर्ण रूप से तैयारी की गई है। उन्होंने कहा कि इसकी बारीकी से जांच होना चाहिए। हम तो चाहेंगे कि वहां की सरकार सख्त से सख्त कानून बनाकर उन दोषियों को फांसी की सजा दे। पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सरकार को शीघ्र हिंदुओं के मंदिरों को हिंदू बोर्ड के अधीन कर देना चाहिए, ताकि किसी भी सनातनियों की आस्था को ठेस ना पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारत में जितने भी तीर्थस्थल हैं, वहां पर बारीकी से सभी सनातनी जांच करवाएं और दोबारा इस प्रकार की घटना न हो इसके लिए सभी एकजुट होकर तैयार रहें।

एनसीईआरटी ने कक्षा 3...

के बजाय, कक्षा 3 के लिए *हमारी अद्भुत दुनिया* शीर्षक से एक नई पाठ्यपुस्तक लाई गई है। एनसीईआरटी ने सभी स्कबलों से अपील की है कि वे इन कक्षाओं के लिए एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित कक्षा 1, 2, 3 और 6 में केवल नई पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करें। ये पाठ्यपुस्तकें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित हैं और इनमें सांस्कृतिक जड़ता, बहुभाषावाद, अनुभवात्मक शिक्षा और शैक्षिक प्रौद्योगिकी को सभी विषयों और ग्रेडों में एकीकृत किया गया है। नई पाठ्यपुस्तकों और नए विषय क्षेत्रों और पाठ्यपुस्तकों को लागू करने के तौर-तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी सीबीएसई को भेजी गई सलाह में दी गई है। उल्लेखनीय है कि एनसीईआरटी की तीसरी कक्षा की पर्यावरण अध्ययन की पुस्तक के 17वें पेज पर प्रकाशित *चिट्ठी आई है* नामक पाठ पर एक अभिभावक ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने इस पत्र में लव जिहाद का आरोप लगाया है। पाठ में रीना नाम की लड़की ने अहमद नाम के लड़के को चिट्ठी लिखी है।

फ्रोजन भ्रूण प्रत्यर्पण ...

सिद्ध हुआ है। बहुत ही हर्ष का विषय है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के इस केंद्र ने घोड़ों में इन सभी तकनीकों को परिपूर्ण और मानकीकृत किया है। डॉ. मेहता के अनुसार संस्थान ने हाल ही में मारवाड़ी और जांस्कारी घोड़ों में फ्रेश एवं फ्रोजन वीर्य का उपयोग करके भ्रूण प्रत्यर्पण से सफलतापूर्वक बच्चे पैदा किए हैं। इसी क्रम में आज फ्रोजन भ्रूण के प्रत्यर्पण से स्वस्थ फिली पैदा करने में सफलता प्राप्त की है। वैज्ञानिकों की टीम को बधाई देते हुए आईसीएआर-एनआरसीई के निदेशक डॉ. टीके भट्टाचार्य ने कहा कि यह तकनीक समय की मांग है क्योंकि यह तकनीक देश में घोड़ों की घटती आबादी की समस्या से निपटने में मदद करेगी और भ्रूण के क्रायोप्रिजर्वेशन की इस तकनीक से भ्रूण को उपयोग के स्थान पर आसानी से ले जाया, निर्यात और आयात किया जा सकता है और जब भी संभव हो प्रत्यारोपित किया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने विस्तार से बताया कि घोड़ों के लिए यह देश में अपनी तरह की पहली उपलब्धि है।

रामलला के प्राण ...

तिरुपति से आए लगभग तीन टन लड्डू ओं को यहां प्रसाद के रूप में वितरित किया गया था। वहीं, तिरुपति से आए लड्डुओं के वितरण के सवाल पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कारसेवकपुरम् में पत्रकार वार्ता में कहा कि हमने लड्डू नहीं बांटे। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान अनेक भक्तों ने बहुत सारी चीजें भेंट में दी थीं। यह तिरुपति से जुड़ा मामला है। इस बारे में हमारा बोलना उचित नहीं है।

हेमंत सरकार ने...

राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, जब मैं झारखंड आता हूं झामुमो-कांग्रेस को बड़ी तकलीफ़ होती है लेकिन उनके मुख्यमंत्री केरल से आये मुस्लिम लीग के सदस्यों का स्वागत करते हैं। आज जिन्ना की सोच की पार्टी राज्य में क्यों आई? क्योंकि, सरकार के हलफनामे के अनुसार आदिवासी जिलों में एक विशेष समुदाय ने कब्जा कर रखा है। उल्लेखनीय है कि असम सरकार ने तृतीय श्रेणी के पदों पर भर्ती की परीक्षा के दौरान 15 सितंबर को तीन घंटे के लिए असम में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया था। इसी तरह अगस्त 2022 में भी दो दिनों के लिए असम के लगभग सभी जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं चार घंटे के लिए निलंबित कर दी गई थीं, जब पहली बार तृतीय और चतुर्थ श्रेणियों के पदों के लिए लिखित परीक्षाओं का आयोजन असम में किया गया था।

प. बंगाल : 43 दिनों...

डॉक्टरों की वापसी से इलाज करवाने आए मरीजों ने भी राहत की सांस ली है। आरजी कर और अन्य अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं को पुनः सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है। शनिवार सुबह जिन जूनियर डॉक्टरों की ड्यूटी थी, उन्होंने आरजी कर अस्पताल के ट्रॉमा केयर भवन में पहुंचकर काम संभाला। राज्य के अन्य 25 मेडिकल कॉलेजों में भी जूनियर डॉक्टर इमरजेंसी में चिकित्सा सेवा में लौट आए हैं। हालांकि फिलहाल ओपीडी में जूनियर डॉक्टरों की उपस्थिति नहीं दिखी है। उल्लेखनीय है कि नौ अगस्त को आरजी कर अस्पताल की एक युवा महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या हुई थी। इस घटना के बाद से जूनियर डॉक्टर न्याय की मांग और कार्यस्थल पर सुरक्षा की मांग को लेकर आंदोलनरत थे। हालांकि, शनिवार से उन्होंने काम पर वापसी कर ली है लेकिन पीड़िता के लिए न्याय की मांग को लेकर उनका सांकेतिक आंदोलन जारी रहेगा।

कछार में बारिश ने दी गर्मी से राहत, तूफान से काफी तबाही

कछार (हिंस)। तीन दिनों की भीषण गर्मी के बाद शनिवार को कछार जिले में अचानक बारिश और तूफान से लोगों ने राहत की सांस ली। इस बीच जिले के विभिन्न हिस्सों में तूफान से भारी क्षति हुई है। तूफान के बीच सड़क पर दौड़ रही एक अल्टो कार के ऊपर बड़ा पेड़ गिर गया, जिसके चलते कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार चालक एवं यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई।

बरसात और तूफान के चलते जिले के मधुरा बाजार इलाके के कई दुकानों को काफी नुकसान हुआ है। इलाके में बिजली आपूर्ति व्यवस्था काफी प्रभावित हुई है।

डिमोरिया के विभिन्न दल एवं संगठनों ने अवैध नागरिकों के खिलाफ किया प्रतिवाद

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के सोनपुर कसुतली इलाके में जनजातीय लोगों के लिए आवंटित जमीन पर अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान संदिग्ध नागरिकों द्वारा पुलिस बल पर हमले किए जाने के विरोध में आज सोनापुर के डिगारू गेट इलाके में डिमोरिया के विभिन्न दल एवं संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन (खिलंजिया रणहुंकार) किया गया। प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान डिमोरिया के छह गांव पंचायत में संदिग्ध नागरिकों के खिलाफ जल्द से जल्द पुलिस प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाए जाने की मांग

की। संदिग्ध नागरिकों के खिलाफ विभिन्न दल एवं संगठनों द्वारा आज जमकर नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ट्राइबल ब्लॉक और बेल्ट की जमीन से जब तक संदिग्ध नागरिकों को पूरी तरह हटाया नहीं जाता तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। ज्ञात होगी कसुतली में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान संदिग्ध नागरिकों द्वारा पुलिस बल पर हमले किए जाने के बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस को गोली चलानी पड़ी थी। जिसमें दो संदिग्ध नागरिकों की मौत हुई थी जबकि, 20 से अधिक पुलिसकर्मी एवं 13 संदिग्ध घायल हुए थे।

मणिपुर में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के तीन सदस्य गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इंफाल पूर्व के बोंगजांग में एक अलग अभियान में सेना और मणिपुर पुलिस ने 28.5 किलोग्राम के सात विस्फोटक उपकरण बरामद किए। मणिपुर के इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया तथा हथियार और गोलाबारूद बरामद किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, इंफाल पश्चिम के गारी क्षेत्र में सेकमाई और थांगमेइबंद इलाकों में जबरन वसूली के आरोप में प्रतिबंधित संगठन *कांग्लेई यावोल कान्बा लूप* (केवाईकेएल) के तीन सदस्यों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उनकी पहचान मेइबाम ब्रोनसन सिंह (24), युमनाम लानचेनबा (21) और सौबाम नोंगपोकनगांबा मेईती (52) के रूप में हुई है। उनके पास से एक पिस्तौल, एक मैगजीन और गोलाबारूद बरामद किया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इंफाल पूर्व के बोंगजांग में एक अलग अभियान में सेना और मणिपुर पुलिस ने

28.5 किलोग्राम के सात विस्फोटक उपकरण बरामद किए। बयान में कहा गया कि पिछले तीन महीनों में सुरक्षा बलों ने यह दूसरी बार भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया है। भारतीय सेना के बम निरोधक दस्ते ने 20 जुलाई को इंफाल पूर्व के साईचांग इथाम के पहाड़ी इलाकों में 33 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किए थे और उन्हें निष्क्रिय किया था।

ईस्ट कामरूप कॉलेज में प्रदर्शनी, व्याख्यान और विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तर पूर्व विज्ञान भारती और असम राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संयुक्त रूप से इसरो अंतरिक्ष यान के एक महीने के कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आज ईस्ट कामरूप कॉलेज में एक प्रदर्शनी, व्याख्यान और विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। बैठक की शुरुआत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भूपेन्द्र कुमार शर्मा के स्वागत भाषण से हुआ। एनईएसएम नॉर्थ ईस्ट के सचिव राजीब चंद्र शर्मा ने अपने परिचयात्मक संबोधन में विज्ञान भारती की गतिविधियों और इस मिशन की प्रासंगिकता के बारे में बताया। असम सरकार के राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य फणींद्र बुजरबरुवा ने भारतीय परंपरा और संस्कृति में विज्ञान के योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक के प्रतिनिधि राजीव शर्मा ने हिस्सा लेते हुए अपने विचार व्यक्त किये। नासा के वैज्ञानिक श्याम एस कुंडू ने मुख्य वक्ता के रूप में हिस्सा लेते हुए ऑडियो-विजुअल माध्यम से अंतरिक्ष के बारे में विचार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि दरंग-उदालगुरी निर्वाचन क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया ने अंतरिक्ष यात्रा में भारत के योगदान पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को बधाई दी। इसके बाद बिजन क्विज प्रतियोगिता में 10 शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 10 संस्थानों के लगभग 2 हजार छात्रों ने भाग लिया।

दलगांव में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

दरंग (हिंस)। दलगांव के निजदलगांव में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि दलगांव की तरफ से तेजपुर की ओर से जा रही एक स्विफ्ट डिजायर कार ने रंजुमणि डेका को उस समय ठोकर मार दिया जब वह सड़क पर पैदल चल रहा था। नतीजतन, रंजुमणि डेका की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दलगांव ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची। उधर, ठोकर मारकर स्विफ्ट डिजायर कार के साथ चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन दलगांव ट्रैफिक पुलिस ने उसे बटाबाड़ी में पकड़ लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मंगलदै सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

पूसीरे की रेसुब ने 23.50 करोड़ रुपए से अधिक के प्रतिबंधित एवं तस्करी का सामान किया बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। ट्रेनों में प्रतिबंधित एवं तस्करी के सामान के परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने 01 से 15 सितंबर की अवधि के दौरान 26.48 लाख रुपए से अधिक के प्रतिबंधित सामान बरामद किए। रेसुब ने इस अवधि के दौरान प्रतिबंधित एवं तस्करी के सामानों के परिवहन में कथित संलिप्तता के लिए नौ व्यक्तियों को हिरासत में भी लिया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि 02 सितंबर की एक घटना में लमडिंग आरपीएफ और जीआरपी ने संयुक्त रूप से लमडिंग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन

संख्या 01666 (अगरतला-रानी कमलापति) स्पेशल में जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान उन लोगों ने चार व्यक्तियों को हिरासत में लिया और उनके पास से 3.94 लाख रुपए (लगभग) का 19.7 ग्राम ब्राउन शुगर और 1.81 लाख रुपए (लगभग) का 18.10 किग्रा गांजा बरामद किया। बाद में बरामद सामग्रियों के साथ हिरासत में लिये गए व्यक्तियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए लमडिंग जीआरपी के ओसी को सौंप दिया गया। उल्लेखनीय है कि जनवरी से अगस्त माह की अवधि के दौरान पूसीरे की रेसुब ने 23.50 करोड़ रुपए से अधिक का प्रतिबंधित एवं तस्करी का सामान बरामद किया है। इस अवधि के दौरान रेसुब ने निषिद्ध वस्तुओं को अवैध रूप से ले जाने के आरोप में 283 तस्करों को हिरासत में भी लिया है।

देव कुमार मिश्रा ने कामरूप ग्रामीण जिले के जिला आयुक्त के रूप में पदभार संभाला

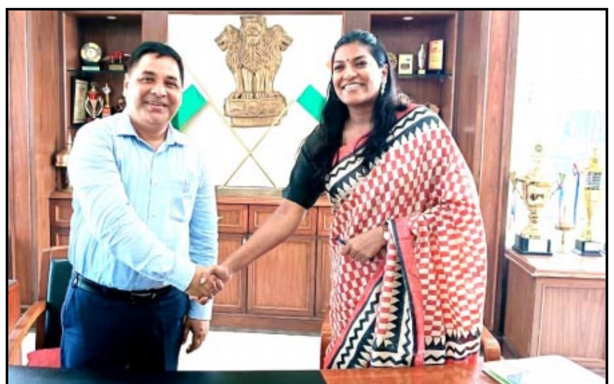

रंगिया (विभास)। असम सिविल सेवा अधिकारी देव कुमार मिश्रा ने शनिवार को कामरूप जिले के जिला आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। मालुम हो कि कामरूप जिले में शामिल होने से पहले, वह शोणितपुर जिले के जिला आयुक्त थे। उन्होंने आज कामरूप जिले के एकीकृत जिला आयुक्त के कार्यालय में निवर्तमान जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद नवनियुक्त जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा का एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में कामरूप जिला प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा सभी विभागों के प्रमुखों की उपस्थिति में स्वागत किया गया और कामरूप ग्रामीण जिले की निवर्तमान जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली को बिदाई दी गई। इस मौके पर नव नियुक्त जिला आयुक्त ने आशा व्यक्त की कि वह कामरूप जिले के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से प्रशासन प्रणाली को लोगों के करीब ले जाने में सक्षम होंगे। बैठक में जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता, कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ गोस्वामी, अतिरिक्त जिला आयुक्त क्रमशः प्रणब दत्ता गोस्वामी, कमल बरुवा, प्राणजीत देब, मुनमी कलिता, सुजाता गोगोई, विभिन्न राजस्व मंडलों के सर्कल अधिकारी और सहायक आयुक्त उपस्थित थे।

मिशन ब्रेन अटैक को गुवाहाटी में मिला शानदार रिस्पांस

गुवाहाटी। *मिशन ब्रेन अटैक* देशभर में चल रहा एक कैंपेन है, जो स्ट्रोक्स के लिए पूरी देखभाल प्रदान करने पर फोकस करता है। इस कैंपेन को हाल ही में इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन (आईएसए) ने वाराणसी में लांच किया था और इसे गुवाहाटी में शानदार प्रतिक्रिया मिली है। इसकी शुरुआत रोकथाम के उपायों से होती है और फिर सटीक प्रबंधन तथा पुनर्वास किया जाता है। दुनिया के आंकड़े बताते हैं कि चार में से एक इंसान को स्ट्रोक हो सकता है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, आईएसए के प्रेसिडेंट डॉ. निर्मल सूर्या ने कहा कि स्ट्रोक के तीन बड़े कारण होते हैं- ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल। अगर आपके बुजुर्गों को स्ट्रोक हुआ है और आपको भी ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल है, तो आपको सचेत रहना चाहिए। ऐसे मामलों में वजन कम रखने, कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखने और अल्कोहल तथा तंबाकू छोड़ने की सलाह दी जाती है। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि औसतन हर मिनट तीन लोगों को लकवा (पैरालिसिस) हो रहा है। लकवा भी मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। आईएसए के सचिव डॉ. अरविंद शर्मा ने दावा करते हुए कहा कि मिशन ब्रेन अटैक अपने तरह का पहला कैंपेन है, जो पूरे भारत के लिए है। यह हर पहलू के लिए है, जैसे कि स्ट्रोक की रोकथाम, जागरूकता, प्रबंधन, देखभाल और पुनर्वास। गुवाहाटी बिलकुल सही समय पर और वाकई इस मौके का फायदा उठा रहा है और कैंपेन को बड़े उत्साह, दिलचस्पी तथा उमंग के साथ अपनाया है। असम के गुवाहाटी में आयोजित प्रेस वार्ता के साथ ही स्ट्रोक एंड न्यूरोवैस्कुलर अपडेट 2024 (एसएनवीआर 2024) का आयोजन भी हो रहा था। इस अवसर पर आयोजन सचिव डॉ. बिप्लब दास ने कहा कि स्ट्रोक एंड

न्यूरोवैस्कुलर अपडेट 2024 एक उच्च-स्तरीय शैक्षणिक मंच है, जिसे *वी केयर स्ट्रोक* ने शुरू किया है। यह मंच स्ट्रोक के इलाज और न्यूरोवैस्कुलर प्रक्रियाओं के बारे में निरंतर ज्ञान प्रदान करता है। साथ ही, यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के साथ संवाद का अवसर भी देता है। *एसएनवीआर 2024 का थीम मोर प्रैक्टिस, लेस थ्योरी* है, जिसमें स्ट्रोक, न्यूरोइंटरवेंशन, न्यूरोक्रिटिकल केयर, और न्यूरोरिहैब जैसे विषयों पर संवादपरक कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और स्ट्रोक व सार्वजनिक स्वास्थ्य में गहरी रुचि दिखाई। *मिशन ब्रेन अटैक* का लक्ष्य ब्रेन स्ट्रोक पर जागरूकता पैदा करना और तीन मोर्चों पर पूरी देखभाल प्रदान करना है-जोखिम के कारकों पर नियंत्रण के लिए प्राथमिक रोकथाम, गोल्डनआवर में थ्रोम्बोलिसिस और मेकैनिकल थ्रोम्बेक्टोमी समेत सटीक उपचार और विकलांगता होने पर लंबे समय तक पुनर्वास। महत्वपूर्ण जानकारियां इस प्रकार हैं- **गोडनआवर :** 4 घंटे 30 मिनट का समय गोल्डनआवर होता है, जिसके भीतर मरीज को अस्पताल पहुंचाकर स्ट्रोक को पलटा जा सकता है। **अनुवांशिकी :** किसी व्यक्ति को स्ट्रोक होने का सीधा संबंध अनुवांशिकी से नहीं होता है, लेकिन चिकित्सकीय स्थितियों का परिवारिक इतिहास इसमें भूमिका निभाएगा। **संकेत :** स्ट्रोक के सभी संकेतों को समझना, पीड़ित व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाना और इस संबंध में सार्वजनिक जागरूकता बहुत मायने रखती है। **कुछ संकेत इस प्रकार हैं :** बी-संतुलन खोना, ई- दिखाई न पड़ना, एफ-चेहरा बिगड़ना, ए-हाथ और पैर में कमजोरी, एस-बोलने में मुश्किल आना, टी-ऐसे संकेत दिखने पर 108 या एम्बुलेंस को कॉल करें और स्ट्रोक रेडी हॉस्पिटल पहुंचें (जहां सीटी स्कैन की उपलब्धता हो)

राज्यपाल आचार्य ने कोकराझाड़ में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का किया उद्घाटन

बोड़ोलैंड शांति समझौता 2020 बीटीआर में एक नई शुरुआत का प्रतीक है : राज्यपाल

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शांति के शहर कोकराझाड़ में बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस 2024 के भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। *बीटीआर में शांति की संस्कृति को बढ़ावा देना* थीम वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र और उसके बाहर एकता, संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना था। आज कोकराझाड़ में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस को संबोधित करते हुए राज्यपाल आचार्य ने कहा कि 27 जनवरी, 2020 को भारत सरकार, असम सरकार और बोड़ो समूहों के प्रतिनिधियों के बीच हस्ताक्षरित शांति समझौते ने बोड़ोलैंड में वास्तविक अर्थों में शांति लाई। इस अवसर पर उन्होंने बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्मा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के अलावा बीटीआर में शांति और विकास को साकार करने के लिए बोड़ोलैंड के सभी वर्गों के लोगों को धन्यवाद दिया। राज्यपाल ने कहा कि 2023 में शुरू किए गए बोड़ोलैंड हैप्पीनेस मिशन के तहत

मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस बीटीआर में शांति, खुशी और सतत विकास को बढ़ावा देने में सफल रहा है। राज्यपाल ने कहा कि मिशन दशकों के संघर्ष से बचे गहरे घावों को भरने की तीव्र इच्छा से उभरा है और बोड़ोलैंड हैप्पीनेस मिशन बीटीआर के विकास और सतत विकास लक्ष्यों के लिए एक शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण भविष्य बनाने में सफल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मिशन मानव विकास, सामाजिक सामंजस्य और सुलह पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को शांति और मैत्रीपूर्ण संवाद की संस्कृति बनाने के लिए सशक्त बनाना है। इससे पहले, सभा को संबोधित करते हुए, बीटीआर सीईएम, प्रमोद बोरो ने बीटीआर में पहली बार मनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर अपनी अपार खुशी व्यक्त की। उन्होंने क्षेत्र के अतीत पर विचार किया, भय की स्थिति, शिक्षा की कमी, सीमित आजीविका के अवसरों और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे को याद किया, जिसने 30-40 साल पहले क्षेत्र को त्रस्त कर दिया था। बोरो ने कालीचरण ब्रह्मा और बोडोफा यूएन ब्रह्मा जैसे दूरदर्शी लोगों के परिवर्तनकारी योगदान को स्वीकार किया, जिनके प्रयासों ने क्षेत्र में शांति और प्रगति की नींव रखी। सीईएम बोरो ने जोर देकर कहा कि पदभार संभालने के बाद से, उनकी सरकार ने शांति और विकास के एक नए युग की शुरुआत की है, बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण, समाज के विभिन्न वर्गों में सामंजस्य को बढ़ावा देने और बोड़ोलैंड हैप्पीनेस मिशन, वाइब्रेंट बीटीआर मिशन आदि जैसी पहलों को लाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सीईएम ने उन लोगों के प्रति भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने हथियार डाल दिए, मुख्यधारा में शामिल हो गए और शांति को अपनाया। उन्होंने सभी व्यक्तियों से हिंसा को अस्वीकार करने तथा क्षेत्र के निरंतर विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रेम और सद्भाव को अपनाने का आह्वान किया। प्रारंभिक टिप्पणी देते हुए, प्रधान सचिव आकाश दीप ने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला, तथा कहा कि समृद्धि के लिए शांति एक पूर्वापेक्षा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि बीटीआर में प्राप्त शांति क्षेत्र के भविष्य के विकास के लिए एक स्थायी आधार के रूप में काम करेगी। उन्होंने क्षेत्र में शांति और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए राज्य और बीटीसी सरकारों द्वारा की गई विभिन्न पहलों को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम को वरिष्ट पत्रकार, लेखिका और राजनीतिक विश्लेषक नीरजा चौधरी, लेखक, राजनीतिक टिप्पणीकार और नॉर्थईस्ट लाइव के प्रधान संपादक वासबीर हुसैन और असम ट्रिब्यून के कार्यकारी संपादक प्रशांत ज्योति बरुवा ने भी संबोधित किया। शांति कार्यक्रम में असम के रेशम उत्पादन मंत्री यू.जी. ब्रह्मा, बीटीसीएलए अध्यक्ष कटिराम बोरो, बीटीसी डिप्टी सीईएम गोबिंदा बसुमतारी, कई बीटीसी ईएम, विधायक, कोकराझाड़ डीसी मसंदा पर्टिन, शांति कार्यकर्ता और नागा राजनेता निकेतु इरालु, पूर्वी नगालैंड महिला संगठन की अध्यक्ष यिंगफे कोन्याक सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

27 मवेशी समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जालुकबाड़ी पुलिस ने पशु तस्करी में शामिल एक तस्कर को 27 मवेशियों समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जालुकबाड़ी पुलिस चौकी क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान ट्रक (एए-01आरसी-2844) से 27 मवेशियों को बरामद किया गया है। मवेशियों को मेघालय

के पशु बाजार तक अवैध तरीके से ले जाया जा रहा था। इस मामले में एक पशु तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार पशु तस्कर की पहचान सबिरुल आलम (सिपाझाड़) के रूप में की गई है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद पशुओं की तस्करी जारी है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

No. e. DME/PG/27/2024/553979/1

EDUCATIONAL NOTICE

Admission into Post Graduate Courses in the Government Medical Colleges of Assam, Session, 2024

This is for information of all concerned candidates that the Assam State NEET-PG-2024 Provisional merit list is published in the official website of this Directorate www.dme.assam.gov.in.

Candidates who appeared in NEET-PG-2024 and are eligible for admission into State Quota seats of Assam as per the Medical Colleges of Assam (Regulation of Admission into Post Graduate Degree and Diploma Courses) Rules, 2021 (Amended upto 2024) but their names are missing in the Assam State NEET-PG-2024 Provisional merit list, can now apply to this Directorate in plain paper with valid documents to the office of the undersigned (2nd floor, Room No. 5) on or before **24th September, 2024**, during office hours for inclusion of their names in the Assam State Merit List. No further application will be considered by this office after the last date of submission (i.e. **24th September, 2024**) during office hours. Applications sent via Post or email shall not be accepted. Candidates are also requested to collect their receipt of acknowledgement at the time of submission of their applications.

Candidates are directed to visit the official website of this Directorate, www.dme.assam.gov.in regularly for updates.

Sd/-

Director of Medical Education, Assam

-- Janasanyog /D/6204/ 24/22-Sep-24

संपादकीय

जल-संधि की समीक्षा

पाकिस्तान को 'सिंधु की देन' इसलिए कहा जाता है कि यदि सिंधु नदी पाकिस्तान से गायब हो जाए, तो वह पूरा देश पत्थरों और रेगिस्तान का ढेर हो जाएगा। पाकिस्तान की इस नियति की डोर भारत के हाथ में है। दोनों देशों के बीच 'सिंधु जल संधि' 1960 में हुई थी, जिसकी मध्यस्थता विश्व बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष ने की थी। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के तानाशाह राष्ट्रपति अयूब खान ने संधि के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते के अनुसार झेलम, चिनाब, सिंधु नदियों का पानी पाकिस्तान में बहने दिया जाएगा। वह उस पानी का साधिकार उपयोग भी कर सकेगा। सतलुज, ब्यास, रावी नदियों पर भारत का अधिकार होगा। भारत सिंधु नदी के 20 फीसदी पानी का ही उपयोग कर सकता है, जबकि 80 फीसदी पानी पर अधिकार पाकिस्तान का होगा। बीते 6 दशकों से अधिक समय से यह संधि निरंतर लागू है, जबकि इस दौरान कई युद्ध भी हुए हैं। अब भारत सरकार ने पाकिस्तान की हुकूमत को नोटिस भेजा है कि 'सिंधु जल संधि' की सम्यक समीक्षा और परिवर्तन की जरूरत है। यह कड़ा संदेश बीते साल इस्लामाबाद को भेजे गए नोटिस का फॉलोअप है। सिर्फ इसी से पाकिस्तान कराहने और चिलचिलाने लगा है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर मुद्दा उठाने की चेतावनी देने लगा है। फिलहाल भारत पाकिस्तान से पानी छीनने की मुद्रा में नहीं है, लेकिन संधि का उल्लंघन करते हुए पाकिस्तान 70 फीसदी तक पानी का इस्तेमाल कर रहा है और भारत 30 फीसदी पानी का उपयोग भी नहीं कर रहा है। दरअसल पाकिस्तान भारत की पनबिजली परियोजनाओं के निर्माण में रोड़े अटकाता रहा है। मामला अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत तक भी गया है। झेलम नदी पर किशनगंगा पनबिजली प्रोजेक्ट की अनुमति अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत ने ही भारत को दी थी और चिनाब नदी पर भी पनबिजली का एक प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है, लेकिन पाकिस्तान विरोध करता रहा है। जल-संधि के विवादों के निपटान के लिए विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ की मध्यस्थता तक की नौबत आ सकती है। हालात ऐसे हैं कि यदि भारत कुछ समय के लिए झेलम, चिनाब नदियों के जल-प्रवाह को रोक दे, तो पाकिस्तान त्राहि-त्राहि करने लगेगा। प्यासा मरने और कृषि-संकट के हालात पैदा हो जाएंगे। जब पाकपरस्त आतंकियों ने उरी में आतंकी हमला किया था, तो भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। यह स्थिति आज भी है, क्योंकि भारत तब तक पाकिस्तान के साथ बातचीत करने को तैयार नहीं है, जब तक सीमापार आतंकवाद को रोका नहीं जाता। संवाद और आतंकवाद भी साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे गतिरोध के मद्देनजर संधि की समीक्षा कैसे संभव है? क्या उसके लिए दोनों का साथ-साथ बैठना अनिवार्य नहीं है? भारत की पर्यावरणीय और आर्थिक चिंताएं और सरोकार भी अंतरराष्ट्रीय हैं। भारत जलवायु-परिवर्तन के वैश्विक समझौतों से भी बंधा है। बीते साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत ने हस्तक्षेप किया और कहा कि वह किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं पर निर्णय लेने में सक्षम है। भारत असहमत रहा, क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत के बजाय तटस्थ विशेषज्ञ की मध्यस्थता के पक्ष में था। भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका निभाना चाहता है।

> सिंधु नदी पाकिस्तान से गायब हो जाए, तो वह पूरा देश पत्थरों और रेगिस्तान का ढेर हो जाएगा। पाकिस्तान की इस नियति की डोर भारत के हाथ में है। दोनों देशों के बीच 'सिंधु जल संधि' 1960 में हुई थी, जिसकी मध्यस्थता विश्व बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष ने की थी। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के तानाशाह राष्ट्र पति अयूब खान ने संधि के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते के अनुसार झेलम, चिनाब, सिंधु नदियों का पानी पाकिस्तान में बहने दिया जाएगा। वह उस पानी का साधिकार उपयोग भी कर सकेगा। सतलुज, ब्यास, रावी नदियों पर भारत का अधिकार होगा। भारत सिंधु नदी के 20 फीसदी पानी का ही उपयोग कर सकता है, जबकि 80 फीसदी पानी पर अधिकार पाकिस्तान का होगा। बीते 6 दशकों से अधिक समय से यह संधि निरंतर लागू है, जबकि इस दौरान कई युद्ध भी हुए हैं। अब भारत सरकार ने पाकिस्तान की हुकूमत को नोटिस भेजा है कि 'सिंधु जल संधि' की सम्यक समीक्षा और परिवर्तन की जरूरत है।

मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से विकसित एवं अन्य कई देश ब्याज दरों को लगातार बढ़ा रहे

ब्याज दरों को कम करने का चक्र हुआ प्रारम्भ

प्रहलाद सबनानी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जर्मी पोवेल ने दिनांक 19 सितम्बर 2024 को यूएस फेड दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करने की घोषणा करते हुए यूएस फेड दर को 5.5 प्रतिशत से घटाकर कर 5 प्रतिशत कर दिया है। 4 वर्ष पूर्व पूरे विश्व में फैली कोविड महामारी के खंडकाल के पश्चात मुद्रा स्फीति की दर में, पिछले 4 दशकों में, सबसे अधिक वृद्धि दर्ज हुई थी और मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से विकसित एवं अन्य कई देश ब्याज दरों को लगातार बढ़ा रहे थे ताकि उत्पादों की मांग बाजार में कम हो तथा उत्पादों की आपूर्ति इस मांग के अनुरूप हो जाए। पिछले 4 वर्षों के दौरान यूएस फेड दर 0 प्रतिशत से बढ़कर 5.50 प्रतिशत तक पहुंच गई थी परंतु अब 4 वर्ष पश्चात यूएस फेड दर को कम करने की घोषणा की गई है।

> विपरीत जब भी अमेरिका द्वारा यूएस फेड दर में कमी की घोषणा की जाती है तो अन्य विकासशील देशों में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों का निवेश बढ़ने लगता है क्योंकि इन्हें अमेरिकी वित्तीय संस्थानों एवं सरकार द्वारा जारी किए जाने बांड पर तुलनात्मक रूप से कम आय होने लगती है।

कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका में लागू ब्याज दरों से अत्यधिक प्रभावित होती हैं। जब भी अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा की जाती है तो अन्य देशों में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों द्वारा किया गया निवेश इन देशों से निकलकर अमेरिका में वापिस आने लगता है क्योंकि अमेरिकी वित्तीय संस्थानों एवं अमेरिकी सरकार द्वारा जारी किए जाने बां ड पर उन्हें आकर्षक ब्याज दर मिलने लगती है। इसके विपरीत जब भी अमेरिका द्वारा यूएस फेड दर में कमी की घोषणा की जाती है तो अन्य विकासशील देशों में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों का निवेश बढ़ने लगता है क्योंकि इन्हें अमेरिकी वित्तीय संस्थानों एवं सरकार द्वारा जारी किए जाने बांड पर तुलनात्मक रूप से कम आय होने लगती है। इसी विशेष कारण के चलते कई देशों को अमेरिकी फेड रिजर्व के निर्णय को ध्यान में रखते हुए ही अपने देश में भी ब्याज दरों को कम अथवा अधिक करना होता है ताकि उनके देश में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों द्वारा किया जा रहा निवेश बहुत अधिक प्रभावित नहीं हो।

चूंकि अब यूएस फेड दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की गई है अतः अन्य कई देश भी ब्याज दरों में कमी की घोषणा कर सकते हैं। इससे पूरे विश्व में ही ब्याज दरों को कम करने का

चक्र प्रारम्भ हो सकता है। हालांकि इसकी शुरुआत यूरोपीयन देशों एवं ब्रिटेन द्वारा पूर्व में की जा चुकी है तथा अब विकासशील देश भी ब्याज दरों में कमी की घोषणा शीघ्र ही कर सकते हैं। भारत में भी हालांकि पिछले कुछ समय से मुद्रा स्फीति की दर लगातार नियंत्रण में बनी हुई है परंतु भारतीय रिजर्व बैंक यदि पूर्व में ही ब्याज दरों में कमी की घोषणा करता तो भारत में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों द्वारा अमेरिकी डॉलर में किये गए निवेश के भारत से निकलने की सम्भावना बढ़ जाती। आज विश्व के कई देश, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, आपस में इतने अधिक जुड़ चुके हैं कि किसी एक देश के आर्थिक क्षेत्र में होने वाले परिवर्तन अन्य देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी प्रभावित करते हैं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा यह भी कहा गया है कि केलेंडर वर्ष 2024 में यूएस फेड दर में 25 आधार बिंदुओं की दो बार और कमी की घोषणा की जा सकती है तथा केलेंडर वर्ष 2025 में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा सकती है। इस प्रकार यूएस फेड दर घटकर 3.50 प्रतिशत तक नीचे आ सकती है। यूएस फेड दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा के साथ ही 10 वर्षों के लिए जारी अमेरिकी बांड की यील्ड घटकर 3.73 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है एवं डॉलर इंडेक्स भी 100.37 के निचले स्तर पर आ गया है। अब अमेरिकी डॉलर पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ेगा जिससे अमेरिकी डॉलर का अवमूल्यन हो सकता है। इससे अमेरिकी बाजारों से अब पूंजी निकलकर अधिक आय की तलाश में अन्य इमर्जिंग देशों के शेयर बाजार में जाएगी। इसका सबसे अधिक लाभ भारत को हो सकता है क्योंकि भारत पूर्व में ही MSCI Emerging Market IMI (Investible Market Index) Index में चीन से आगे निकलकर प्रथम स्थान पर आ गया है। इस इंडेक्स में भारत के शेयरों का भार चीन के शेयरों के भार से अधिक हो गया है। विश्व के वित्तीय संस्थान, सोवरेन फंड, पेंशन फंड एवं अन्य निवेशक MSCI के इंडेक्स पर अधिक विश्वास करते हैं एवं अपने निवेश भी इस इंडेक्स में शामिल शेयरों में करते हैं।

दूसरे, अब बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक भी रेपो दर में कमी की घोषणा शीघ्र ही करे क्योंकि अब अमेरिका में अधिक ब्याज दरों का दौर समाप्त हो रहा है। अमेरिका में बढ़ी हुई ब्याज दरों का विपरीत प्रभाव न केवल भारतीय रुपए पर हो रहा था बल्कि अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों से भारत में अमेरिकी डॉलर में होने वाले विदेशी निवेश पर भी दबाव बना हुआ था। अब अमेरिका में यूएस फेड दर के कम करने से भारतीय रुपए पर दबाव एवं भारत से विदेशी निवेश के बाहर जाने का डर भी कम हो जाएगा। साथ ही, यदि भारत में भी ब्याज दरों को कम करने का दौर शुरू होता है तो इससे भारतीय उद्योग जगत को फायदा होगा और उनकी लाभप्रदता में वृद्धि होगी जो विदेशी निवेश को भारत में आकर्षित करने में सहायक होगी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पहिले से ही अपने उच्चत्तम स्तर 68,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। अब बदली हुई परिस्थितियों में भारत का शेयर बाजार यदि और अधिक विदेशी निवेश की राशि भारत में आकर्षित करता है तो भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 100,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकने की क्षमता रखता है। तीसरे, भारत में ब्याज दरों के कम होने से उद्योग जगत द्वारा भारत में उत्पादित वस्तुओं की लागत भी कम हो सकती हैं और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे, इससे भारतीय उत्पादों के निर्यात में वृद्धि होने की सम्भावना बन सकेगी। चौथे, अमेरिकी बाजार में ब्याज दरों के कम होने से विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि के चलते इन कम्पनियों द्वारा नवाचार के लिए रीसर्च पर खर्च में बढ़ौतरी की जा सकती है, जिसका सीधा सीधा लाभ भारत में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियों को होने जा रहा है।

दृष्टि कोण

चिकित्सक आंदोलन व ममता की प्रवृत्ति

संघीय ढांचे के तहत बने कानूनों और अदालतों के आदेशों के प्रति अडियल रुख अपनाने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आखिरकार अपने ही लोगों के सामने घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के बाद चले आंदोलन से ममता के तेवर ढीले पड़ गए। ममता ने कल्पना भी नहीं की होगी कि पश्चिम बंगाल में यह आंदोलन सरकार की चूलें हिला देगा। केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति तीखे तेवर अपनाने वाली ममता इस्तीफा तक देने को तैयार हो गईं। ममता की समझ में आ गया कि राजनीतिक द्वेषवश केंद्र सरकार की उपेक्षा की जा सकती है, किन्तु प्रदेश की सत्ता में बने रहने के लिए राज्य के लोगों की नाराजगी सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के खिलाफ देश ही नहीं, विदेशों में भी आंदोलन हुए। इस घृणित अपराध के विरोध में ममता सरकार की निष्क्रियता के खिलाफ पश्चिम बंगाल के हर वर्ग ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। हड़ताली चिकित्सकों ने मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशकों और कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटाने की मांग की। ममता बनर्जी ने कुछ ही दिनों पहले कहा था कि वो पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को दुर्गा पूजा तक उनके पद पर बनाए रखेंगी। भारी विरोध के बाद आखिरकार गोयल का तबादला करना पड़ा। हड़ताली चिकित्सकों का कहना है कि अस्पतालों में उनके सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए जाएं। वे मांग कर रहे हैं कि सरकार यह बताए कि 100 करोड़ रुपए का बजट किस प्रकार अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए खर्च किया जाएगा। उन्होंने अस्पतालों में सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए रेफरल सिस्टम को सुधारने और भर्ती में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की भी बात कही। जूनियर डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में छात्र संघ चुनाव कराए जाने और संस्थानों की नीतियों में उनका रिप्रेजेंटेशन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि छात्र संघ चुनाव के माध्यम से उनकी आवाज को प्रमुखता दी जाए ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। पश्चिम बंगाल में अराजकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के बाद अराजक तत्वों ने अस्पताल पर हमला कर दिया। चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और मरीजों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। असामाजिक तत्वों ने अपराध के घटनास्थल पर तोड़-फोड़ की और अपराध के सबूत मिटाने का प्रयास किया। इस मामले में मेडिकल कॉलेज और पुलिस प्रशासन परोक्ष तौर पर आरोपियों के पक्ष में खड़ा नजर आया। दुष्कर्म और हत्या को आत्महत्या का मामला बता कर रफा-दफा करने का प्रयास किया गया। पुलिस और प्रशासन के पक्षपातपूण रवैये के बाद अदालत के आदेश से मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपा गया। इसके बाद हर तरफ ममता सरकार के खिलाफ विरोध का स्वर बुलंद हुआ। भारी विरोध के बाद ममता को समझ में आ गया कि केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार की खिलाफत करने की तरह इस आंदोलन से नहीं निपटा जा सकता। पश्चिम बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार के प्रति विरोध और प्रदर्शन से सत्ता हासिल करने वाली ममता बनर्जी ने इसे अपना हथियार बना लिया। केंद्र सरकार के खिलाफ शायद ही ऐसा कोई मौका हो, जब ममता सरकार ने विरोध नहीं किया हो। इसी प्रवृत्ति का परिणाम है कि महिला चिकित्सक की मौत से पनपे आंदोलन को दबाने-कुचलने की कोशिश की गई। राहुल गांधी की ही तरह ममता बनर्जी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर मामले में विरोध करती रही हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा और तीस्ता नदी के जल बंटवारे के मुद्दे पर ममता बनर्जी का आरोप है कि केंद्र की मोदी सरकार ने बांग्लादेश के साथ बातचीत में पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल नहीं किया है। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा। तीन पेज के लेटर में ममता ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार से पूछे बिना इस तरह की एकतरफा बातचीत हमें मंजूर नहीं है। इसी तरह राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फंड जारी करने की मांग को लेकर राज्य विधानसभा परिसर में धरना दिया गया।

कुछ अलग

प्रदर्शनों की धरती !

बचपन से हम यह पढ़ते सुनते आए हैं कि यह देवभूमि है और देवी देवताओं की धरती है। हमारे शिक्षकों ने भी हमें यही बताया था। हमारे शिक्षक यह कहा करते थे कि इस प्रदेश में देवी देवता निवास करते हैं और यहां के लोग बहुत शांतिप्रिय हैं। लेकिन अब जाकर यह नया खुलासा हुआ है कि यह देवभूमि प्रदर्शनों की भूमि भी है। खुलासा खुद हुकूमत ने किया है। इसलिए इस खुलासे ने बहुत बड़ी कन्फ्यूजन खड़ी कर दी है। शिक्षकों की काबिलियत दांव पर लगा दी है। शक हो रहा है कि कहीं हमारे शिक्षक भांग पीकर स्कूल में नहीं आते थे और हमें गुमराह करते थे। अगर यह प्रदर्शनों की भूमि है तो हमें बचपन से अब तक प्रदर्शनों में भाग लेने का मौका क्यों नहीं दिया गया? हमारे साथ ऐसी साजिश क्यों हुई? हमारा बचपन और जवानी बर्बाद क्यों की गई? हमारा धरती पर आना बेकार क्यों कर दिया गया। हमें गलत गाइड क्यों किया गया कि हम देवभूमि में रह रहे हैं। हमें मिसगाइड करने वाले शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी होना चाहिए। अगर ऐसे शिक्षक रिटायर हो चुके हैं तो उनकी पेंशन रोकी जानी चाहिए। अगर वे भगवान को प्यारे हो चुके हैं तो भी बैक डेट में नोटिस जारी किया जा सकता है। हुकूमत ऐसा कर सकती है। हुकूमत के पास बहुत बड़ी पावर होती है। नोटिस देना हुकूमत का बाएं हाथ का खेल होता है। क्योंकि हुकूमत का दांया हाथ बिजी रहता है, इसलिए हुकूमत बाएं हाथ से नोटिस जारी करती रहती है। हुकूमत ने जब से यह बताया है कि यह प्रदर्शनों की धरती है तो खुदा कसम अपने शिक्षकों से मेरा भरोसा उठ गया है। कहते हैं कि दूध का जला छाछ भी फूंक फूंक कर पीता है, इसलिए हुकूमत पर भी एकदम से भरोसा नहीं कर पा रहा हूं। जब से हुकूमत ने यह बताया है कि यह तो प्रदर्शनों की धरती है, तब से दिमाग में घंटियां बज रही हैं। अब इस धरती को नमन करूं या न करूं, इसको लेकर मैं बहुत कंफ्यूज हूं। बंदा कंफ्यूज हो तो अंट-शंट भी सोचने लगता है। यही मेरे साथ भी हो रहा है। मैं शाम को चार पैग मार कर भी इतना कंफ्यूज कभी नहीं हुआ जितना हुकूमत के खुलासे से हो रहा हूं। जहां गली में चार आदमियों को खड़े देखता हूं तो मुझे लगता है कि यह सब प्रदर्शनकारी हैं और प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। बीच-बीच में मन में यह आवेग उठने लगता है कि मैं भी इनके बीच पहुंच जाऊं और दो-चार नारे लगाकर फिर वापस आकर बाथरूम में नहाने चला जाऊं। नहाने से दिमाग ठंडा रहता है। गली में खेलते बच्चों को आपस में उलझते देखता हूं तो मुझे लगता है कि नई पीढ़ी प्रदर्शन की जबरदस्त तैयारी कर रही है और आने वाले दिनों में स्कूलों-कॉलेजों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुआ करेंगे। क्योंकि हुकूमत ने खुद स्वीकार किया है कि यह प्रदर्शनों की धरती है, इसलिए बच्चों को प्रदर्शनों की पूरी छूट होगी। बच्चे घर में भी कोई डिमांड पूरी न होने पर प्रदर्शन कर सकते हैं और मां-बाप बच्चों का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे क्योंकि बच्चे भी यही दलील देंगे कि हम प्रदर्शनों की धरती में रह रहे हैं और प्रदर्शन करना हमारा जन्मसिद्ध मौलिक अधिकार है। हो सकता है आने वाले टाइम में हुकूमत यह अध्यादेश भी जारी कर दे कि जिन विद्यार्थियों ने ज्यादा प्रदर्शनों में हिस्सा लिया होगा, उन्हें वार्षिक परीक्षा में अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। ऐसे विद्यार्थी भविष्य में अच्छे नेता बनकर भी उभरेंगे और प्रदेश का मान सम्मान बढ़ाएंगे। प्रदर्शनों से ही क्रांतियां आती हैं और क्रांतियों से इतिहास बनता है। इसलिए नया इतिहास रचने के लिए हमें नित नए प्रदर्शन की रूपरेखा अपने मन में तैयार रखनी चाहिए। लोग प्रदर्शन में बिजी रहेंगे तो हुकूमत की नाकामियों की तरफ किसी का ध्यान नहीं जाएगा।

देश दुनीया से

दुनिया में शांति की संस्कृति का विकास हो

> हिंसा के खिलाफ जागरूकता फैलाने और शांतिपूर्ण समाधानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है, जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन समाज पर युद्ध और संघर्ष के परिणामों पर विचार करने के साथ-साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि करने का भी अवसर प्रदान करता है। यह दिन पूरी दुनिया में हर किसी को यह स्मरण कराता है कि बेहतर और अधिक न्यायपूर्ण दुनिया के लिए शांति सबसे जरूरी है। विश्व में शांति को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए इस दिन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र ने 1981 में की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंसा के बजाय संवाद और समझ के माध्यम से संघर्षों को हल करने के महत्व को उजागर करना है।

पूरे विश्व में युद्ध और हिंसा के खिलाफ जागरूकता फैलाने और शांतिपूर्ण समाधानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है, जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन समाज पर युद्ध और संघर्ष के परिणामों पर विचार करने के साथ-साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि करने का भी अवसर प्रदान करता है। यह दिन पूरी दुनिया में हर किसी को यह स्मरण कराता है कि बेहतर और अधिक न्यायपूर्ण दुनिया के लिए शांति सबसे जरूरी है। विश्व में शांति को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए इस दिन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र ने 1981 में की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंसा के बजाय संवाद और समझ के माध्यम से संघर्षों को हल करने के महत्व को उजागर करना है। यह व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के बीच शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने और विकसित करने का एक विश्वव्यापी उत्सव है। हालांकि हर साल इस दिवस का विषय बदलता रहा है, लेकिन प्रत्येक विषय का मुख्य उद्देश्य सदैव लोगों से संघर्ष समाधान, हिंसा में कमी और आपसी समझ एवं सहयोग के माहौल के निर्माण के लिए पुरजोर काम करने का आग्रह करना ही रहा है। शांति दिवस समस्त मानवता को सभी मतभेदों से ऊपर उठकर शांति के लिए प्रतिबद्ध होने तथा शांति की संस्कृति के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। पिछले कुछ वर्षों में प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस का विषय अलग-अलग रहा है, जो विश्व शांति के लिए बदलती चुनौतियों को दर्शाते हुए संघर्ष समाधान, सहयोग और न्याय के विविध विषयों पर प्रकाश डालता रहा है। शांति दिवस के 15 वर्षों के विषयों को देखें तो 2010 का विषय था 'शांति और विकास के लिए युवा'। 2011 में यह 'शांति और लोकतंत्र : अपनी आवाज बुलंद करें' विषय के साथ मनाया गया। 2012 में 'टिकाऊ भविष्य के लिए टिकाऊ शांति', 2013 में 'शांति शिक्षा पर ध्यान', 2014 में 'शांति का अधिकार', 2015 में 'शांति के लिए साझेदारी : सभी के लिए सम्मान', 2016 में 'सतत विकास लक्ष्य : शांति के लिए आधारशिला', 2017 में 'शांति के लिए एक साथ : सभी के लिए सम्मान, सुरक्षा और गरिमा', 2018 में 'शांति का अधिकार-70 पर मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा', 2019 में 'शांति के लिए जलवायु कार्रवाई', 2020 में 'कोविड-19 के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एक साथ शांति को आकार देना', 2021 में 'समतापूर्ण और टिकाऊ विश्व के लिए बेहतर ढंग से उबरना', 2022 में 'नस्लवाद को खत्म करें, शांति स्थापित करें' और 2023 में 'शांति के लिए कार्य : वैश्विक लक्ष्यों के लिए हमारी महत्वाकांक्षा' विषय के साथ अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के सभी हिस्सों में शांति को बढ़ावा देने के लिए शांति की संस्कृति पर घोषणा और कार्यक्रम को अपनाए जाने की 25वीं वर्षगांठ है और ऐसे में 2024 के अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के लिए 'शांति की संस्कृति का विकास करना' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस वर्ष के लिए शांति के लिए किए जा रहे प्रयासों को दर्शाता है। यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) का संविधान इस धारणा से शुरू होता है कि 'युद्ध मनुष्यों के दिमाग में शुरू होते हैं, इसलिए शांति की रक्षा मनुष्यों के दिमाग में ही की जानी चाहिए।' यह वह धारणा है, जिसने इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के लिए थीम और लोगो को तैयार किया है। दरअसल बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों वाली दुनिया में अब शांति के विचार, शांति की संस्कृति, औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से, देशों और पीढियों में बच्चों और समुदायों के दिमाग में विकसित किए जाने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1999 में शांति की संस्कृति के लिए कई आवश्यक मूल्य निर्धारित किए, जिनमें जीवन, मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के प्रति सम्मान, शिक्षा, संवाद और सहयोग के माध्यम से अहिंसा को बढ़ावा देना, संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्धता, समाज के सभी स्तरों और राष्ट्रों के बीच स्वतंत्रता, न्याय, लोकतंत्र, सहिष्णुता, एकजुटता, सहयोग, बहुलवाद, सांस्कृतिक विविधता, संवाद, समझ का पालन करना इत्यादि शामिल थे। अनुवर्ती प्रस्तावों में, महासभा ने टकराव के स्थान पर बातचीत को चुनने तथा एक-दूसरे के विरुद्ध नहीं बल्कि मिलकर काम करने के महत्व को भी स्वीकार किया। अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस की स्थापना सर्वप्रथम 1981 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। महासभा ने सर्वसम्मति से संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 36/37 द्वारा स्थापित इस दिन को 'सभी देशों और लोगों के बीच शांति के आदर्शों को स्मरण करने और मजबूत करने' के लिए समर्पित करने का आह्वान किया था। दो दशक बाद 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस को अहिंसा और युद्धविराम की अवधि के रूप में नामित करने के लिए मतदान किया।

आप का नजरीया

वो हमारे लिए जोखिम उठाता

फिर जोखिम भरे कार्य ने एक युवक को मौत के घाट उतार दिया। विद्युत लाइनों की मरम्मत में कितने शमशान घाट दौड़ रहे, यह अगर मालूम हो जाए तो शायद हमारे घर बिजली ही न आए। बत्तीस वर्षीय उदय राम मंडी के द्रंग को रोशनी देते हुए ऐसी लापरवाही का शिकार हुआ, जिसमें बिजली बोर्ड की पद्धति गुनहगार है। मरने वाला सरकारी नौकर नहीं था, लेकिन आउटसोर्स की जिम्मेदारी में फर्ज निभा रहा था। काम करते हुए को किसने मारा, इसका जवाब विद्युत विभाग के ओहदेदारों को देना होगा, लेकिन इससे पूर्व जोखिम भरे कार्यों में संलिप्त लोगों की सुरक्षा के अति उच्च मानदंड बनाने होंगे। हमें चौबीस घंटे की चौकसी में कानून व्यवस्था का कोई सिपाही चाहिए। जलापूर्ति के लिए सुबह ही कोई फिटर स्रोत पर चाहिए। हमारे सफर को गति देते रात्रि भी बस सेवा का चालक-परिचालक चाहिए और विद्युत आपूर्ति के चौबीसों घंटे कोई न कोई कर्मचारी चाहिए, लेकिन समाज ने कभी सोचा कि हमारे लिए कौन जोखिम उठा रहा है। क्या कभी हमने पुलिस के सिपाही से पूछा कि खुले आसमान के नीचे वह कितने घंटे गुजारता है ताकि ट्रैफिक जाम न हो और कानून-व्यवस्था के हर इंतजाम में महकमा बदनाम न हो। कभी देखना वीआईपी ड्यूटी बजाते उसकी नसों में रक्त का कितना दबाव भरता है। नंगी तारों से खेलते लाइनमैन की हथेली के घाव देखना कि वहां हर जख्म की मर्यादा में हमारे घर का अंधेरा दूर होता है। जो लोग सर्दियों की जमीं हुई पाइपों से खींच कर हमारे घर तक पानी लाते हैं, उनकी ड्यूटी का कोहराम सुनना। ऐसे में जबकि प्रदेश के सारे पुष्प नेताओं पर कुर्बान हैं, नीतियों से गुजारिश है कि वे जोखिम के लिए तत्पर रोजगार को एक सम्मानित व सुरक्षित आधार दें। जो रात को वाहन चलाते हुए हमें मीलों दूर मंजिल तक पहुंचाते हैं, उन्हें दिन में सुकून की नींद का उपचार चाहिए। इसी तरह पुलिस महकमे के हर दायित्व में एक सिपाही की प्रतिष्ठा, उसके ड्यूटी चार्ट व ड्यूटी के निर्धारित घंटों में मिलेगी। ऐसा नहीं कि जो लोग निजी क्षेत्र में काम कर रहे हैं, उनके जोखिम कम हैं, लेकिन सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में जब हर घर को और हर घर को बिजली का वादा करते हैं, तो वहां फिटर से लाइनमैन तक के साहसिक कार्य को सरकार का आश्वासन और कार्य पद्धति का सख्त अनुशासन चाहिए। विडंबना यह है कि समाज के स्वागत द्वार, मंच और अभिभाषण हमेशा नेताओं के आगे दंडवत होते हैं, लेकिन जिस माइक से कोई विशिष्ट अतिथि बोल पाता है उसके पीछे एक मुस्तैद कहानी का पात्र 'मिस्टर लाइनमैन' होता है। मंडी से हम शुरुआत कर सकते हैं। बिजली की तारें मौत की तारें क्यों बनी, क्या इस बहस के अंजाम में सख्त कार्रवाई होगी। अंततः इस अभागे व्यक्ति का हमारी व्यवस्था में क्या मूल्य होगा। एक छोटा सा हर्जाना या जांच बैठाने का बहाना। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बिजली की नंगी तारों पर रोजगार को चुनना कितना साहसपूर्ण कार्य है। उदय राम के अभिभावक हर बल्ब में अपने बेटे का दायित्व समझते रहे होंगे। ऐसे प्रोफेशन में युवा शक्ति का साहस और दिलेरी देखी जा सकती है, लेकिन इन्हें सुरक्षित कवच देने में हमारी लापरवाही अकसर एक टीस-एक मातम दे जाती है।

राहुल गांधी के विरुद्ध धारा 152 के तहत हुई एफआईआर

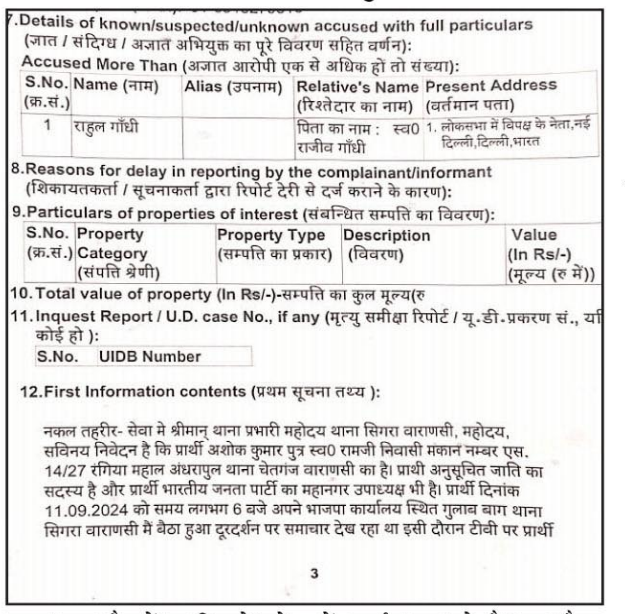
7.Details of known/suspected/unknown accused with full particulars
(ज्ञात / संदिग्ध / अज्ञात अभियुक्त का पूरे विवरण सहित वर्णन):
Accused More Than (अज्ञात आरोपी एक से अधिक हों तो संख्या):

S.No. (क्र.सं.)	Name (नाम)	Alias (उपनाम)	Relative's Name (रिश्तेदार का नाम)	Present Address (वर्तमान पता)
1	राहुल गाँधी		पिता का नाम : स्व0 राजीव गाँधी	1. लोकसभा में विपक्ष के नेता,नई दिल्ली,दिल्ली,भारत

8.Reasons for delay in reporting by the complainant/informant
(शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता द्वारा रिपोर्ट देरी से दर्ज कराने के कारण):

9.Particulars of properties of interest (संबन्धित सम्पत्ति का विवरण):

S.No. (क्र.सं.)	Property Category (संपत्ति श्रेणी)	Property Type (सम्पत्ति का प्रकार)	Description (विवरण)	Value (In Rs/-) (मूल्य (रु में))

10.Total value of property (In Rs/-)-सम्पत्ति का कुल मूल्य(रु

11.Inquest Report / U.D. case No., if any (मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट / यू.डी.-प्रकरण सं., यदि कोई हो):

S.No.	UIDB Number

12.First Information contents (प्रथम सूचना तथ्य):

नकल तहरीर- सेवा मे श्रीमान् थाना प्रभारी महोदय थाना सिगरा वाराणसी, महोदय, सविनय निवेदन है कि प्रार्थी अशोक कुमार पुत्र स्व0 रामजी निवासी मकान नम्बर एस. 14/27 रंगिया महाल अंधरापुल थाना चेतगंज वाराणसी का है। प्राथी अनुसूचित जाति का सदस्य है और प्रार्थी भारतीय जनता पार्टी का महानगर उपाध्यक्ष भी है। प्रार्थी दिनांक 11.09.2024 को समय लगभग 6 बजे अपने भाजपा कार्यालय स्थित गुलाब बाग थाना सिगरा वाराणसी में बैठा हुआ दूरदर्शन पर समाचार देख रहा था इसी दौरान टीवी पर प्रार्थी

3

लखनऊ, (हि.स.)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के बयान से आहत होकर वाराणसी में अधिवक्ता एवं भाजपा पदाधिकारी अशोक कुमार ने सिगरा थाना में तहरीर दी। अशोक कुमार के तहरीर पर राहुल गांधी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 के तहत मुकदमा पंजीकृत हो गया है। वाराणसी में भाजपा के महानगर पदाधिकारी एवं अधिवक्ता अशोक कुमार ने कहा कि राहुल गांधी का बयान जानबूझकर सिख समुदाय को उत्तेजित करने, विद्रोह के लिए प्रेरित करने वाला था। साथ ही भारत देश से आरक्षण को समाप्त करने की बात राहुल गांधी ने कहकर देश के तमाम दलित पिछड़े समुदाय के व्यक्तियों की भावनाओं को आहत किया है। दलित समुदाय को उकसाने का भी काम राहुल ने किया है। भाजपा पदाधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि राहुल गांधी जो कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, वह अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान भावनाओं को चोटिल करने का काम करते हुए तमाम न्यूज चैनलों पर दिखाये पड़े है। राहुल गांधी के बयान से आहत होकर ही उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करा रहा हूं। बता दें कि अमेरिका में राहुल गांधी के बयान से आहत होकर सिख समुदाय के लोग पूरे प्रदेश में प्रदर्शन कर रहे है। इस दौरान वाराणसी में राहुल गांधी के विरुद्ध पहली एफआईआर दर्ज की गयी है। अधिवक्ता अशोक कुमार वाराणसी के थाना चेतगंज के अंतर्गत रंगीया महाल के निवासी है।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने तिरुपति बालाजी के प्रसाद में मिलावट पर जतायी चिंता

- बीएचयू में जैविक कृषि और पंचगव्य चिकित्सा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया उद्घाटन
- हमें गोवंश को प्राचीन काल की तरह जीवन शैली में लाने की जरूरत : रामनाथ कोविंद

वाराणसी, (हि.स.)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में पशुओं की चर्बी इस्तेमाल किए जाने को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं में प्रसाद को लेकर जो श्रद्धा होती है अब उसमें शंका उत्पन्न हो गई है। ये देश के हर मंदिर की कहानी हो सकती है। हर तीर्थ स्थल में ऐसी मिलावट हो सकती है। सनातन हिंदू धर्म के अनुसार ये बहुत बड़ा पाप है। यह एक विचारणीय विषय है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद शनिवार को बीएचयू के कृषि शताब्दी सभागार में भारतीय गाय, जैविक कृषि एवं पंचगव्य चिकित्सा विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे बीएचयू के आयुर्वेद संकाय के काय चिकित्सा विभाग और नागपुर के देवलापार स्थित गो-विज्ञान अनुसंधान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी में पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि शुक्रवार रात मेरे कुछ सहयोगी श्री काशी विश्वनाथ धाम गए थे। रात में मुझे बाबा का प्रसादम दिया तो मेरे मन में तिरुमाला की घटना याद आई और मेरे मन में थोड़ा खटका। मैंने बाबा विश्वनाथ से कान पकड़कर माफी मांगी कि इस बार मैं आपका दर्शन नहीं कर पाया लेकिन बाबा विश्वनाथ के प्रसादम में हर किसी का अटूट भरोसा और श्रद्धा है। पूर्व राष्ट्रपति ने संगोष्ठी के विषय का उल्लेख कर कहा कि आदिकाल से भारतीय कृषि की आधारशिला गोवंश रही है। ऋग्वेद के एक श्लोक का उल्लेख कर उन्होंने कहा कि हजारों साल से संस्कृति का केंद्र रही गोवंश आज कचरे के ढेर में पाई जाती है। अपने भूमि में उत्पादन बढ़ाने, रासायनिक कीटनाशक के बढ़ते प्रयोग से गोवंश की उपयोगिता में कमी आई है। इसके कारण खेतों में प्राकृतिक उर्वरता में भी कमी आई है।

हमने अपनी उत्पादकता तो बढ़ा ली लेकिन अब इसके उपभोग की कीमत चुका रहे है। हमने अपने बचपन में कैंसर का नाम नहीं सुना था लेकिन आज कैंसर के मरीज हर जगह हैं। उन्होंने कहा कि हमें गो वंश को प्राचीन काल की तरह जीवन शैली में लाने की जरूरत है। इसके लिए मुहिम और जनजागरण चलाने का आह्वान कर उन्होंने कहा कि सरकार पर निर्भरता कम से कम होनी चाहिए। गोवंश हर घर में होनी चाहिए। खासकर गांवों में रह रहे संयुक्त परिवार में अवश्य होनी चाहिए। देश के 25 करोड़ संयुक्त परिवार में 25 करोड़ गोवंश होना चाहिए। रासायनिक खेती की जगह हमें जैविक और पारम्परिक खेती को अपनाना होगा। इसके लिए हमें अपने ही एक खेत से इसकी शुरूआत करनी है। इसके बाद आसपास के गांवों में भी किसानों को इसके लिए जागरूक करना होगा। गोष्ठी में प्रदेश के राज्यमंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय गौ-सेवा प्रमुख अजित महापात्रा, पूर्व सांसद मेघराज जैन आदि की भी उपस्थिति रही। गोष्ठी में नागपुर के देवलापार स्थित गो-विज्ञान अनुसंधान केंद्र के समन्वयक सुनील मानसिंहका ने अतिथियों का परिचय दिया। बीएचयू आईएमएस के डायरेक्टर प्रो. एसएन संखवार ने स्वागत उद्बोधन दिया। गोष्ठी की शुरूआत महामना पंडित मदन मोहन मालवीय और भगवान धनवंतरी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई।

नमामि गंगे ने छात्राओं को समझाया स्वच्छता का महत्व, जीवन शैली में अपनाने की अपील

वाराणसी, (हि.स.)। 'स्वच्छता' ही स्वस्थ और शान्तिपूर्ण जीवन का मूल मंत्र है। यह संदेश नमामि गंगे ने शनिवार को छात्राओं को दिया। भैरोनाथ स्थित श्री वल्लभ विद्यापीठ बालिका इंटर कॉलेज परिसर में छात्राओं ने भी इस जागरूकता अभियान में पूरे उत्साह से भागीदारी की। अभियान में काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला के संयोजन में 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत स्वच्छता को स्वभाव और संस्कार के रूप में अपनाने की अपील की गई। "स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मानसिकता का विकास होता है इसी के मद्देनजर सभी ने स्वच्छता की शपथ ली। स्वच्छता ही सेवा अभियान से प्रेरित होकर छात्राओं ने सर्वप्रथम अपने स्कूल के क्लासरूम की सफाई की। स्वच्छता संदेशों को जन-जन तक पहुंचाकर हर तरफ स्वच्छता के वातावरण का निर्माण करने की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान भी किया। इस दौरान मां गंगा एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर बताने वाली छात्राओं को नमामि गंगे की टी-शर्ट और टोपी देकर पुरस्कृत किया गया। इस दौरान राजेश शुक्ला ने बताया कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में स्वच्छता की जो मशाल जलाई है, उसे निरंतर आगे बढ़ाने के लिए सभी गांव, सभी शहरों तक स्वच्छता की अलख जगानी होगी। हमें स्वच्छता को रोज की दिनचर्या में शामिल करना है। जिससे स्वच्छ और स्वस्थ भारत का निर्माण हो। अब आवश्यकता है कि स्वच्छ भारत के हमारे इस संकल्प को सिद्धि तक लेकर जायें एवं एक नये स्वच्छ भारत के निर्माण में भागीदार बनें। आयोजन में कॉलेज की प्रधानाचार्या मुक्ता पाण्डेय, वरिष्ठ शिक्षिका नीलम सिंह, सारिका गुप्ता, पंकज सिंह आदि भी शामिल रहे।

दक्षिण से आए गोवंश को सीएम योगी ने दिया भवानी और भोलू नाम

गोरखपुर, (हि.स.)। आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल के गोवंश का शनिवार सुबह गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नामकरण किया। उन्होंने बछिया का नाम भवानी रखा है तो बछड़े का नाम भोलू। मंदिर की गोशाला में दक्षिण से आए गोवंश की इस जोड़ी का नाम रखने के बाद सीएम ने उनसे खूब बातें की, खूब दुलारा। गोसेवक मुख्यमंत्री के स्नेह से मात्र दो दिन में सुदूर से आए ये गोवंश उनसे पूरी तरह अपनत्व भाव से जुड़ गए हैं। नादिपथि मिनिएचर नस्ल की गाय को दुनिया की सबसे छोटी गाय माना जाता है। इसे पुंगनूर नस्ल की ही ब्रीडिंग से विकसित किया गया है। नादिपथि मिनिएचर को माइक्रो मिनिएचर भी कहा जाता है। इस नस्ल के गोवंश की एक बछिया और बछड़ा को गुरुवार देर रात आंध्र प्रदेश के नादिपथि गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाया गया। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह इन गोवंश को स्नेहासींचित किया था और अपने हाथ से गुड़ और चारा खिलाया था। नादिपथि गोशाला से आए संचालक और नादिपथि मिनिएचर ब्रीड विकसित करने में अनुसंधान करने वाले डॉ. पी. कृष्णम राजू ने मुख्यमंत्री को नादिपथि मिनिएचर नस्ल की गायों की विशेषता के बारे में बताया। सीएम योगी से मुलाकात के बाद डॉ. कृष्णम राजू ने कहा कि योगी जी की गोसेवा और गोप्रेम देखकर वह अभिभूत हो गए हैं।

उप्र. एएनटीएफ ने तीन साल में जब्त किए 175 करोड़ के अवैध मादक पदार्थ

— 2024 में अब तक 98 करोड़ रुपए से ज्यादा के अवैध मादक पदार्थ बरामद

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री रोकने के लिए गठित एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने विगत तीन वर्षों में अब तक 175 करोड़ रुपये से ज्यादा का अवैध मादक पदार्थ जब्त किया है। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ हुए ओवरऑल एक्शन की बात करें तो चार वर्षों में अब तक 45 हजार किलो से अधिक का अवैध मादक पदार्थ जब्त किया गया। एएनटीएफ ने विगत तीन वर्ष में की गई कार्रवाई की बात करें तो कुल 187 अभियोग दर्ज करते हुए 469 की गिरफ्तारियां की हैं। वहीं, 20,384.91 किलो अवैध मादक पदार्थ बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत 175 करोड़ 49 लाख 27 हजार 500 रुपये है। वर्ष 2022 से लेकर 2024 में अब तक इन तीन वर्षों में एएनटीएफ ने 6.37 किलो मार्फिन, 33.44 किलो हेरोइन (स्मैक), 129.63 किलो चरस, 106.62 किलो अफीम, 9,380.14 किलो डोडा (पोस्ता तृण), 10,725.26 किलो गांजा और 3.44 किलो मेफेड्रान जब्त किया है। यदि, इस वर्ष यानी 2024 में अब तक की गई कार्रवाई की बात करें तो कुल 91 अभियोग पंजीकृत करते हुए 190 गिरफ्तारियां हुईं। 1.78 किलो मार्फिन, 13.93 किलो हेरोइन (स्मैक), 23.85 किलो चरस, 61.88 किलो अफीम, 3414.98 किलो डोडा (पोस्ता तृण), 6467.01 किलो गांजा और 3.44 किलो मेफेड्रान जब्त किया है। कुल मिलाकर एएनटीएफ ने 9988.86 किलो मादक पदार्थ जब्त किया, जिसकी कुल कीमत 98 करोड़, 49 लाख और 52 हजार रही।

झारखंड में इंटरनेट सेवा कल भी सुबह आठ से दोपहर डेढ़ बजे तक रहेगी निलंबित

रांची, (हि.स.)। झारखंड में झारखंड स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (जेजीजीएलसीसीई) के मद्देनजर आज सुबह आठ बजे से इंटरनेट सेवा निलंबित है। ऐसी स्थिति कल भी रहेगी। सरकार ने शुक्रवार को को कहा था कि इस परीक्षा के मद्देनजर शनिवार और रविवार को सुबह आठ बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक इंटरनेट सेवा निलंबित करने का फैसला किया गया है। इसके बाद गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने इंटरनेट सेवा निलंबित करने के आदेश जारी किए। समूचे राज्य में 823 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राज्य में करीब छह लाख 40 हजार अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। गृह विभाग के आदेश में बताया है कि मोबाइल फोन, इंटरनेट मीडिया, व्हाट्स ऐप , एक्स, टेलीग्राम व यू-ट्यूब आदि के माध्यम से पेपर लीक आदि की शिकायतें पहले मिलती रही हैं। इसलिए इंटरनेट सेवा निलंबित करने का फैसला किया गया। बताया गया है कि राज्य सरकार इन सभी माध्यमों के लिए कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती। इसी उद्देश्य से इंटरनेट व मोबाइल डेटा, वाई-फाई आदि को परीक्षा अवधि के दौरान बंद करने का निर्णय किया गया है।

कोयला राज्य मंत्री ने राजमहल क्षेत्र का किया दौरा

गोड्डा, (हि.स.)। कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने शुक्रवार को जिले के अंतर्गत कार्यरत ईसीएल के राजमहल क्षेत्र में संक्षिप्त कार्यक्रम एवं रात्रि विश्राम किया। उनके आगमन पर ईसीएल मुख्यालय के वित्त निदेशक अंजर आलम एवं स्थानीय क्षेत्रीय महाप्रबंधक एएन नायक ने महागामा स्थित राजमहल हाउस में उनका स्वागत किया। इस दौरान मंत्री ने राजमहल परियोजना का संक्षिप्त समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शनिवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राजमहल हाउस के प्रांगण में मंत्री ने पर्यावरण के सुरक्षा एवं जागरुकता के लिए पौधरोपण किया। जानकारी के अनुसार मंत्री सुबह साहिबगंज जिले के मंडरो में दौरा जलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के विशेष कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (संचालन) सतीश मुरारी, क्षेत्रीय अभियंता (असैनिक) मोहित कुमार चंदेल, क्षेत्रीय वित्तीय प्रबंधक एस के अंबाष्टा, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक संदेश एस वडाडे एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कोकर दुर्गा पूजा कमेटी इस वर्ष बना रही कैलाश पर्वत

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची में दुर्गा पूजा को लेकर एक से बढ़कर एक पंडाल का निर्माण हो रहा है। इसी क्रम में कोकर दुर्गा पूजा कमेटी इस वर्ष भी भव्य पंडाल का निर्माण कर रही है। इस वर्ष 55 फीट ऊंचे कैलाश पर्वत पर विराजे 20 फीट के भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा खास आकर्षण का केंद्र होगी। साथ ही पंडाल के नीचे नंदी महाराज शिवलिंग के सामने विराजमान होंगे। समिति के अध्यक्ष विकास दास ने शनिवार को कहा कि पंडाल की चारों ओर भगवान शिव और माता पार्वती की कलाकृतियां होंगी। रात में लेजर लाइट की रोशनी से पूरा परिसर जगमग करेगा। कोकर डिस्टलरी तालाब से लेकर कोकर चौक तक विद्युत सज्जा की जा रही है। 30 से ज्यादा आकर्षक लाइटिंग लगाई जा रही है। सड़क की दोनों तरफ लाइट्स रहेंगी। लाइट्स के माध्यम से धार्मिक कथाओं का चित्रण किया जाएगा। रामायण, महाभारत और शिवपुराण से जुड़ीं कथाएं होंगी। इस वर्ष दुर्गा माता की मूर्ति नटराज पर आधारित है। यह 12 फीट ऊंची होगी। अध्यक्ष ने कहा कि पूजा के आयोजन में कुल 33.5 लाख रुपए खर्च का अनुमान है। पंडाल के निर्माण में बंगाल के 30 कारीगर जोर-शोर से लगे हैं। पंडाल का पट षष्ठी के दिन खुलेगा। पूजा में सप्तमी से लेकर नवमी तक मां दुर्गा को भोग अर्पित किया जाएगा।

आंगनबाड़ी केंद्र के शौचालय में भोजनालय गलत, होगी चयन मुक्ति : निरुपमा

नवादा, (हि.स.)। नवादा जिला बाल विकास परियोजना के कार्यक्रम पदाधिकारी निरुपमा शंकर ने शनिवार को नवादा सदर प्रखंड के सिसवा ग्राम के आंगनवाड़ी केंद्र प्रथम की जांच की, जहां शौचालय में ही भोजनालय बनाकर बच्चों का भोजन बनाए जाने को स्वास्थ्य के प्रति जहर करार देते हुए सख्त कार्रवाई की बात कही है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी निरुपमा शंकर ने कहा है कि केंद्र पर पहुंचने के बाद बच्चों तथा सहायिका के साथ सेविका के पति उपस्थित थे। सेविका गायब थी। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात तो यह है कि शौचालय में भोजन बनाना स्वास्थ्य के लिए जहर के समान है। जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा है कि इतनी बड़ी गलती के लिए सेविका तथा सहायिका के विरुद्ध चयन मुक्ति की अनुशंसा की जाएगी। उन्होंने कहा है कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के सेविकाओं तथा संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को यह निर्देश दिया गया है कि साफ - सुथरा जगह में बच्चों का भोजन बनेगा, ताकि उनका स्वास्थ्य बेहतर रहे। बाल विकास परियोजना बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने का सार्थक अभियान केंद्र है, जिसकी गुणवत्ता बरकरार रखना जरूरी है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की गलतियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि बच्चों को बेहतर तरीके से समय पर भोजन नाश्ता की व्यवस्था होनी चाहिए। ताकि हम कुपोषण मुक्त समाज की स्थापना कर सकें।

मुख्यमंत्री ने पटना और वैशाली जिलों के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का सड़क मार्ग से किया दौरा

पटना (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सड़क मार्ग से पटना के आसपास गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का शनिवार को जायजा लिया। उन्होंने जेपी गंगा पथ के कंगन घाट, गांधी घाट एवं कृष्णा घाट पर रूककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों की स्थिति को देखा और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। अशोक राजपथ को जेपी गंगा पथ से मिलानेवाले कृष्णा घाट पर निमार्णाधीन पहुंच पथ की भी मुख्यमंत्री ने जानकारी ली और तेजी से निर्माण पूर्ण करने का निर्देश दिया। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पटना के जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुये पूरी तरह अलर्ट रहें और सारी तैयारी पूर्ण रखें। स्थिति की लगातार समीक्षा करते रहें और आवश्यक कार्रवाई त्वरित करें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री गांधी सेतु होते हुये हाजीपुर पहुंचे तथा हाजीपुर में बनाए गए बाढ़ राहत शिविर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत शिविर में रह रहे लोगों से बातचीत कर वहां की व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। बाढ़ राहत शिविर में मुख्यमंत्री ने वैशाली जिला के जिलाधिकारी को निर्देश देते हुये कहा कि सभी राहत शिविरों में रह रहे लोगों की सुविधाओं का ख्याल रखें। स्थिति की निरंतर मॉनिटरिंग करते रहें। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि जल संसाधन विभाग पूरी तरह मुस्तैद रहे और लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। निचले इलाकों में जहां पानी बढ़ रहा है, संभावित परिस्थितियों पर पूरी नजर रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार सभी जिलों एवं संबद्ध विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गये हैं, जिसका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि नाव संचालन, पॉलिथिन शीट्स, राहत सामग्री की उपलब्धता, दवा, पशुचारा, बाढ़ आश्रय स्थल, सामुदायिक रसोई, ड्राई राशन पैकेट्स, फूड पैकेट्स, जिला आपातकालीन संचालन केंद्र आदि के संबंध में पूरी व्यवस्था रखें ताकि लोगों को तुरंत राहत पहुचाया जा सके।

चौथे दिन डीएम के पहल पर चिकित्सकों ने तोड़ा अनिश्चितकालीन हड़ताल

अररिया, (हि.स.)। फारबिसगंज में लगातार तीन दिनों से चल रहा अनिश्चितकालीन हड़ताल चौथे दिन शनिवार को टूट गया,जिसके साथ ही चिकित्सक काम पर लौट आए।डीएम के पहल पर चिकित्सकों का यह हड़ताल चौथे दिन टूटा।दरअसल मामले की जांच को लेकर डीएम अनिल कुमार के द्वारा तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की गई थी, जिसमें सिविल सर्जन डा.के.के.कश्यप, जिला भू अर्जन पदाधिकारी वसीम अहमद और चिकित्सक डा.जितेंद्र कुमार शामिल थे। तीन सदस्यीय जांच टीम के द्वारा डीएम को शनिवार को रिपोर्ट सौंपी गई, जिसके बाद रिपोर्ट के आधार पर सील बंद शकुंतला आरोग्य केंद्र नर्सिंग होम का मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद पीएचसी प्रभारी डा.राजीव बसाक ने ताला खोलकर ताला और चाभी अस्पताल के संचालक चिकित्सा डा.मनोरंजन शर्मा को सौंप दिया। चिकित्सकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल को आईएमए और भासा दोनों संगठनों का समर्थन प्राप्त था। चिकित्सक के फर्जी आधार पर अस्पताल के सील खोलने की मांग को लेकर अडिग चिकित्सकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल को खत्म करने का ऐलान वरिष्ठ चिकित्सक और भासा के अधिकारी डा.अजय कुमार सिंह, आईएमए के डा.एम.पी.गुप्ता और डा. हरि किशोर सिंह ने किया। जिसके बाद शहर के तीन दिनों से बंद सभी निजी अस्पताल और क्लीनिक को खोलकर चिकित्सक काम पर लौट आए। चिकित्सकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल को केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन का समर्थन भी प्राप्त था और चौबीस घंटे से सभी दवा दुकानदार भी हड़ताल पर थे। डा.अजय कुमार सिंह ने बताया कि डीएम के आदेश पर अवैध कहकर गैर कानूनी तरीके से सील किए गए शकुंतला आरोग्य केंद्र नर्सिंग होम के सील को खोल दिया गया है। अवैध कहकर अस्पताल को सील किया गया था,जो कानून सम्मत नहीं था और डॉक्टरों की मांग में यह प्रमुख मांग थी कि अस्पताल का सील खोला जाय। डा.अजय कुमार सिंह ने बताया कि चिकित्सकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर तीन सदस्यीय जांच कमिटी का गठन किया गया था। कमिटी के द्वारा मामले की जांच कर रिपोर्ट डीएम को सौंपी गई। रिपोर्ट के आधार पर डीएम के आदेश पर पीएचसी प्रभारी द्वारा सील बंद अस्पताल का सील खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर की संपत्ति को काफी नुकसान हुआ है बिहार में मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट लागू है। जिसके तहत पुलिस द्वारा मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग करते हुए मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट के तहत अस्पताल में हुए क्षति का आकलन कर कोर्ट को रिपोर्ट करे। डा.सिंह ने बताया कि मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट के प्रावधान के तहत अस्पताल में हुए डैमेज का आकलन कर मार्केट वैल्यू से तीन गुणा हजार्ना आरोपियों से वसूले जाने का प्रावधान है। उन्होंने हजार्ना वसूल कर पीड़ित चिकित्सक डा.मनोरंजन शर्मा को दिए जाने की मांग की। उन्होंने अस्पताल में हुए क्षति और चिकित्सक के साथ मारपीट का वीडियो प्रमाण के तौर पर मौजूद होने की बात कही।

नवादा के पूर्व सांसद चंदन की पहल पर जलाए गए झोपड़ियां के पीड़ित महादलितों को मिला मुआवजा

नवादा, (हि.स.)। नवादा के पूर्व सांसद चंदन सिंह के पहल पर नवादा जिले के मुफस्सिल थाने के कृष्ण नगर महादलित टोले के 34 पीड़ित महादलित को जिला प्रशासन ने मुआवजे राशि मुहैया कर दी है। शनिवार को पूर्व सांसद चंदन सिंह ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा बिहार के मुख्य सचिव से मिलकर नवादा संसदीय क्षेत्र के मुफस्सिल थाने के कृष्ण नगर गांव में बदमाशों द्वारा जलाए गए 34 झोपड़ियां के पीड़ित महा दलित को मुआवजा राशि देने का आग्रह किया गया था। जिसके बाद राशि मुहैया करा दी गई है। उन्होंने कहा कि एक लाख पाँच हजार की राशि मुहैया कराए जाने के साथही अलग से बर्तन, कपड़े तथा झोपड़िया के क्षतिपूर्ति राशि भी मुहैया कराए गए। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर इस मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए कि आखिर कौन से भू माफिया के कहने पर इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया गया। पूर्व सांसद चंदन ने कहा है कि निश्चित तौर पर सभी महादलित को घर भी सरकारी स्तर पर बनवाया जाना चाहिए, इसके लिए मुख्यमंत्री शीघ्र आदेश देंगे। उन्होंने कहा कि कुछ बिंदु पर जांच चल रही है, जिसे पूरा कर लिए जाने के बाद सकारात्मक कार्रवाई के साथ दोषियों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई होगी।

गोयल ने म्यांमार के निवेश और कोरिया गणराज्य के व्यापार मंत्री से की बातचीत

लाओस/नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को म्यांमार के निवेश और विदेशी आर्थिक मामलों के मंत्री डॉ. कान जॉ के साथ एक अहम बैठक की। इसके अलावा उन्होंने कोरिया गणराज्य के व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्री इंक्यो चियोंग के साथ भी सार्थक बातचीत की।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने कहा कि 12वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के आर्थिक मंत्रियों की बैठक के अवसर पर म्यांमार के निवेश और विदेशी आर्थिक मामलों के मंत्री डॉ. कान जॉ के साथ मुलाकात हुई है। इस दौरान उन्होंने कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल लाओस के वियनतियाने के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि डॉ. कान जॉ के साथ दाल, डीजल, गैसोलीन, इलेक्ट्रिक वाहन आदि जैसे क्षेत्रों में संभावित सहयोग और रुपया-क्यात मुद्रा तंत्र के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा हुई।

इसके साथ ही उन्होंने आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा और आगामी संयुक्त व्यापार समिति की बैठक से संबंधित मामलों पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि उनकी कोरिया गणराज्य के व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्री इंक्यो चियोंग के साथ सार्थक बातचीत हुई है।

उन्होंने कहा कि इस बातचीत के दौरान अधिक संतुलित व्यापार प्राप्त करने, भारत-कोरिया व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) को उन्नत करने, रोजगार सृजन से जुड़े निवेश को बढ़ावा देने और हमारे आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने पर विचार-विमर्श किया गया।

न्यूज ब्रीफ

कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली। भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम पर आधारित होती हैं। बता दें कि भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव अपडेट करती है। ऐसे ही तेल कंपनियों ने 21 सितंबर शनिवार के लिए पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल मंहगा हो गया है। वहीं कुछ राज्यों ऐसे है जहां में पेट्रोल डीजल सस्ता भी हुआ है। इसके इलावा कई राज्य ऐसे है जहां इनके दाम स्थिर है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.76 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.43 रुपये और डीजल 89.95 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.93 रुपये और डीजल 91.75 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर है।

झारखंड सरकार ने धान के लिए 100 रुपये प्रति क्विंटल बोनस मंजूर किया

रांची। झारखंड सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में धान के लिए केंद्र के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अलावा 100 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस देने की घोषणा की। एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में कुल 60 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। मंत्रिमंडल सचिव वंदना दादेल ने कहा कि मंत्रिमंडल ने केंद्र के एमएसपी के अलावा धान पर 100 रुपये प्रति क्विंटल के बोनस के प्रस्ताव को मंजूरी दी और इस संबंध में 60 करोड़ रुपये मंजूर किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस सत्र में किसानों से 6 लाख टन धान खरीदने का भी फैसला किया है। केंद्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में धान की सामान्य किस्म के लिए 2,300 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए किस्म के लिए 2,320 रुपये का एमएसपी तय किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान कुल 36 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिसमें राज्य भर में 29,604 जमीनी स्तर पर पेयजल सेवा प्रदान करने में लगे लोगों को 12,000 रुपये मूल्य के स्मार्टफोन प्रदान करना शामिल है।

सीएसआर खर्च तय करेगा इंटर्नशिप योजना के लिए कंपनियों की पात्रता, 1 करोड़ युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

नई दिल्ली। कंपनी मामलों का मंत्रालय उन शीर्ष 500 कंपनियों की सूची जारी करने वाला है जो केंद्र सरकार की इंटर्नशिप योजना में भाग लेने के लिए पात्र होंगी। सूत्रों के अनुसार इन कंपनियों का चयन पिछले तीन वर्षों के दौरान उनके औसत वार्षिक कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च के आधार पर किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 में इस योजना की घोषणा की थी। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय इस महीने के अंत तक इंटर्नशिप योजना पोर्टल चालू कर देगा, जहां कंपनियां अपने पास उपलब्ध इंटर्नशिप का विवरण जारी कर करेंगी। इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन भी इसी पोर्टल के जरिये ऑनलाइन प्राप्त किए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनियों की इंटर्नशिप के उम्मीदवारों तक सीधी पहुंच नहीं होगी। उम्मीदवार द्वारा इंटर्नशिप के लिए आवेदन किए जाने के बाद मंत्रालय की समिति प्राप्त आवेदनों का चयन करेगी और संबंधित कंपनियों को भेजेगी। इसके तहत एक पद के लिए दो उम्मीदवारों के नाम भेजे जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनियां अपनी जरूरत के आधार पर उम्मीदवारों का चयन अथवा आवेदन को अस्वीकार कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए काम जोरों पर है। तमाम कंपनियों से संपर्क किया जा रहा है। यह कंपनियों और सरकार दोनों के लिए एक फायदेमंद योजना है। कंपनियां प्रतिभाओं को तैयार करना चाहती हैं और उसकी लागत की भरपाई सरकार कर रही है।

यूएस फेड के फैसले से बाजार में उछाल, ऑल टाइम हाई पर पहुंचे सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह भी लगातार बढ़त का रुख बना रहा। सोमवार से शुक्रवार के बीच के कारोबार में मंगलवार को छोड़ कर हर दिन मजबूती का नया रिकॉर्ड बनता रहा। मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाया। इसी सप्ताह के दौरान सेंसेक्स पहली बार 84 हजार अंक के स्तर को पार कर गया। इसी तरह निफ्टी भी पहली बार 25,800 अंक के ऊपर पहुंच गया।

बुधवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला आने के बाद मार्केट सेंटीमेंट्स को और मजबूती मिली, जिसकी वजह से दुनिया भर के ज्यादातर बाजारों की तरह ही भारतीय शेयर बाजार में भी जमकर खरीदारी होती नजर आई। 16 सितंबर से लेकर 20 सितंबर के बीच के कारोबार के बाद बीएससी का सेंसेक्स 1,653.37 अंक यानी 1.99 प्रतिशत मजबूत होकर 84,544.31 अंक की ऐतिहासिक ऊंचाई पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 434.50 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,790.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 20 सितंबर को ही सेंसेक्स अभी तक के सर्वोच्च स्तर 84,694.46 अंक तक और निफ्टी 25,849.25 अंक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में सफल रहे।

इस सप्ताह बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 10 हजार अंक के स्तर को पार करके पहली बार 10,082.92 अंक के नए शिखर पर पहुंच गया। पूरे सप्ताह के कारोबार के दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा, अडाणी ग्रीन एनर्जी, बजाज होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई लोंबार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एनटीपीसी, जोमैटो और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, इंडस टावर्स, जाइडस लाइफ साइंसेज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), अडाणी विल्मर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और यूपीएल के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

इसी तरह बीएसई का मिडकैप इंडेक्स भी इस सप्ताह 49,506.01 अंक के रिकॉर्ड स्तर को छूने में सफल रहा। इस इंडेक्स में मैक्स हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट, टॉरेंट पावर, पीबी फिनटेक, यूएनओ मिंडा, संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल, सुप्रीम इंडस्टरीज, श्रीराम फाइनेंस, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और ट्यूब इन्वेस्टमेंट ऑफ इंडिया के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर वोडाफोन आइडिया, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, लॉरेंस लैब्स, ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज, कंटेनर कारपोरेशन ऑफ इंडिया, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स, ग्लैक्सो स्मिथ क्लाइन फार्मास्यूटिकल्स, आईडीबीआई बैंक और पीरामल एंटरप्राइजेज के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सोमवार से शुक्रवार के बीच के कारोबारी सप्ताह के दौरान ही बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स ने भी 57,502.74 अंक के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचने में सफलता पाई। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से नियोजन केमिकल्स, कॉनकॉर्ड बायोटेक, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज, हिम्मत सिंगका सीड्स, रिलायंस पावर, आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया, स्टर्लिंग टूल्स, वक्रांगी, महाराष्ट्र स्कूटर्स और मैराथन नेक्स्ट जेन रियल्टी के शेयर सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाले शेयरों में शामिल हुए। दूसरी ओर, अंबस होल्डिंग्स, नेल्को, एमके प्रोटीन्स, स्पोर्ट किंग इंडिया, साधना नाइट्रोकेम, केडीडीएल, रेनेसां ग्लोबल, राणे होल्डिंग्स, पीटीसी इंडिया, सिंकॉम फॉर्मूलेशन और ट्रूकैप फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल हुए।

पिछले सप्ताह के कारोबार में अगर सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें तो रियल्टी इंडेक्स 4.5 प्रतिशत की तेजी के साथ सबसे अधिक मजबूती वाला सेक्टर साबित हुआ। इसके बाद निफ्टी का बैंक इंडेक्स 3.5 प्रतिशत, ऑटोमोबाइल इंडेक्स 2 प्रतिशत और एफएमसीजी इंडेक्स 1 प्रतिशत की तेजी हासिल करने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी इंडेक्स में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह निफ्टी के मीडिया इंडेक्स में 2.6 प्रतिशत की और फार्मास्यूटिकल इंडेक्स में 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 11,517.92 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने इस सप्ताह के दौरान 633.67 करोड़ रुपये की बिकवाली की। हालांकि इस महीने 2 सितंबर से लेकर 20 सितंबर के बीच स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कुल 26,336.52 करोड़ रुपये की और घरेलू संसाधन निवेशकों ने 8,249.79 करोड़ रुपये की खरीदारी की है।

जियो का नया रिचार्ज प्लान, अनलिमिटेड 5जी के साथ मिलेगी फ्री कॉलिंग!

मुंबई। देश की प्रमुख दूरसंचार कंपनी जियो अपने ग्राहकों के लिए नवरात्रि से पहले नया प्लान लेकर आया है। जियो ने 364 दिन वाला 3599 रुपए का रिचार्ज प्लान फ्री में देने का ऐलान किया है। हालांकि इसके लिए कंपनी ने कुछ शर्तें रखी है, जिसके यूजर्स को पूरा करना होगा।

जियो यूजर्स इस ऑफर का फायदा उठा सकते हैं, जिससे पूरे साल रिचार्ज कराने का झंझट खत्म हो जाएगा। बता दें कि ये ऑफर देश के सभी कोनों में लागू होगा। जानकारी के अनुसार जियो ने अपनी इंटरनेट सेवा यानि जियो फाइबर को प्रमोट करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। जियो यूजर्स नए एयरफाइबर प्लान के लिए साइन अप करके फ्री मोबाइल रिचार्ज का मजा ले सकते हैं। जियो की वेबसाइट के मुताबिक, यूजर्स को 3599 रुपये का कॉम्प्लीमेंट्री सालाना मोबाइल रिचार्ज प्लान मिलेगा, जो 365 दिनों के लिए वैलिड होगा। इस प्लान में रोजाना 2.5जीबी हाई-स्पीड डेटा का फायदा शामिल है। जियो यूजर्स कंपनी की वेबसाइट और माय जियो ऐप के जरिए नया एयरफाइबर बुक कर सकते हैं। कंपनी ने एयर फाइबर ब्रॉडबैंड के लिए सिर्फ 50 रुपये का बुकिंग चार्ज तय किया है। इसके अलावा एयर फाइब्रर आफर के तहत 3 महीने के प्लान पर यूजर्स को 30 फीसदी की छूट दी जा रही है, जो 2121 रुपये में उपलब्ध है। इस प्लान में 800 से ज़्यादा डिजिटल टीवी चैनल, 13 से ज़्यादा ओटीटी ऐप और अनलिमिटेड वाई-फाई का एक्सेस शामिल है।

मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने से जुलाई में ग्राहकों की संख्या घटी

नई दिल्ली। जुलाई में मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने के बाद टेलीकॉम कंपनियों रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या में गिरावट देखी गई। ट्राई द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में देश के कुल मोबाइल ग्राहक घटकर 120 करोड़ 51.7 लाख रह गए, जो जून में 120 करोड़ 56.4 लाख थे। रिपोर्ट के मुताबिक भारती एयरटेल ने जुलाई में 16.9 लाख ग्राहक खो दिए, जो अन्य कंपनियों के मुकाबले सबसे ज्यादा नुकसान था। वोडाफोन आइडिया ने 14.1 लाख ग्राहक गंवाए, जबकि रिलायंस जियो ने 7.58 लाख ग्राहकों का नुकसान उठाया। पिछले दो-तीन वर्षों में एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने अपनी प्रारंभिक मोबाइल सेवा दरों को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 199 रुपये प्रति 28 दिन कर दिया है। इस शुल्क वृद्धि से ग्राहकों पर वित्तीय दबाव बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप ग्राहक आधार में कमी आई। इसके विपरीत, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रही, जिसने नए ग्राहकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की।

हवाई टिकट के भाव बढ़े, दिवाली पर यात्रियों को देना होगा ज्यादा किराया

मुंबई। दीवाली के आसपास फ्लाइट टिकट तेजी से महंगे होते जा रहे हैं। एयरलाइन्स की बुकिंग में भी लगभग दोगुना उछाल आया है। एक रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार दीवाली की फ्लाइट बुकिंग्स में करीब 85 फीसदी की तेजी आई है। लोग औसतन 27 दिन पहले ही अपना टिकट बुक कर ले रहे हैं। किराया भी लगभग 15 फीसदी बढ़ चुका है। पिछले साल हवाई किराया दीवाली से एक हफ्ते पहले तक दोगुना हो चुका है। ऐसे आशंका जताई जा रही है कि इस साल भी किराया तेजी से उछाल मारेगा। एयरलाइन्स को सबसे ज्यादा बुकिंग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर, चेन्नई, लखनऊ, पोर्ट ब्लेयर और पटना जैसी जगहों की मिल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गुवाहाटी के लिए सबसे ज्यादा 386 फीसदी बुकिंग बढ़ी है। लोग त्यौहार पर अपने घर जाने के लिए लालायित हैं। इसके बाद जयपुर के लिए 306 फीसदी और पटना के लिए 271 फीसदी बुकिंग बढ़ी हैं। अन्य शहरों की बुकिंग में भी तेज उछाल जारी है। एक ट्रेवल वेबसाइट ने अगस्त से ही दीवाली फ्लाइट्स की बुकिंग के लिए विशेष अभियान चला दिया था। साथ ही चेतावनी भी दी थी कि जल्द ही किराया बढ़ने वाला है। बताया जा रहा है कि दीवाली के आसपास बुकिंग लगभग 15 फीसदी बढ़ गई है। दीवाली के अलावा छठ पूजा और गोवर्धन पूजा तक फ्लाइट टिकट हर साल काफी महंगे रहते हैं।

भारत का यूरोपीय संघ से आयातित वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव

मुंबई। भारत ने यूरोपीय संघ से आयातित कुछ वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। इस्पात उत्पादों पर यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों पर आम सहमति नहीं बनने के बाद भारत ने यह फैसला किया है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को भेजे गए एक संदेश में भारत सरकार ने कहा कि रियायतों का निलंबन यूरोपीय संघ में उत्पादित चुनिंदा उत्पादों पर सीमा शुल्क बढ़ाने का काम करेगा।

वर्ष 2018 से 2023 तक यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों की वजह से भारत को 4.41 अरब डॉलर का कुल व्यापार घाटा हुआ है जिस पर शुल्क संग्रह 1.10 अरब डॉलर होगा। इस हिसाब से भारत द्वारा रियायतों को निलंबित किए जाने पर यूरोपीय संघ में उत्पादित माल पर समान राशि का शुल्क एकत्रित होगा। इस संदेश के मुताबिक पर्याप्त रूप से समान रियायतों को निलंबित करने के अपने अधिकार के प्रभावी प्रयोग के लिए भारत प्रस्तावित निलंबन को तुरंत प्रभावी करने और उत्पादों के साथ सीमा शुल्क दरों को समायोजित करने का अधिकार भी सुरक्षित रखता है। भारत अगले उचित कदमों के बारे में माल व्यापार परिषद और सुरक्षा समिति दोनों को सूचित करेगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यूरोपीय संघ ने 25 प्रतिशत के कोटा-मुक्त शुल्क के साथ कुछ इस्पात उत्पाद श्रेणियों के आयात पर सुरक्षा शुल्क को 2026 तक बढ़ा दिया है। इसे पहली बार वर्ष 2018 में लगाया गया था जो बाद में जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। यूरोपीय संघ ने 29 मई, 2024 को कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के अपने प्रस्ताव के बारे में डब्ल्यूटीओ को सूचित किया। भारत इस उपाय से प्रभावित देशों में से एक है। वित्त वर्ष 2023-24 में यूरोपीय संघ को भारत का लौह एवं इस्पात और उनके उत्पादों का निर्यात बढ़कर 6.64 अरब डॉलर हो गया जो 2022-23 में 6.1 अरब डॉलर था।

तीन दिन की गिरावट के बाद सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद शनिवार को तेजी का रुख नजर आ रहा है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना एक बार फिर 75 हजार के स्तर को पार कर गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 75,270 रुपये से लेकर 75,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 69,010 रुपये से लेकर 68,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 92,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 75,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 75,120 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 75,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,170 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 68,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 75,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 75,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 68,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सरकार-संगठन मुनाफाखोरी पर लगाएंगे लगाम

नई दिल्ली। सीमा शुल्क बढ़ने के बाद खाने के तेलों के भाव बढ़ाए जाने की खबरों के बीच कारोबारी संगठनों ने मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है। सरकार पहले ही कारोबारी संगठनों को निर्देश दे चुकी है कि त्योहारी सीजन में कीमत नहीं बढ़ाई जाए क्योंकि देश में करीब दो महीने का खाने के तेलों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार और कारोबारी संगठनों की सख्ती की वजह से त्योहारी सीजन में खाने के तेलों के दाम स्थिर रह सकते हैं। उद्योग जगत के लोगों को कहना है कि आगामी त्योहारी मौसम के दौरान खाद्य तेलों के भाव दाम में कोई उछाल आने की आशंका नहीं है। नंदिनी ब्रांड से खाद्य तेल उत्पादक कंपनी एनके प्रोटेनिस प्राइवेट लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि आयात शुल्क में बढ़ोतरी का असर त्योहारी सीजन में नहीं पड़ने वाला है क्योंकि करीब 45 दिनों का स्टॉक पोर्ट में पड़ा है। इसके अलावा करीब 20 दिन का माल कारोबारियों के पास जमा है। इस तरह डेढ़ दो महीने का स्टॉक देश में मौजूद है। अगले महीने से नई फसल आना शुरू हो जाएगी जिससे इसका असर कम होगा। फिलहाल त्योहारी सीजन में कीमतें नहीं बढ़ने वाली है और इसके बाद भी खाद्य तेलों के दाम 10 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ेगे। इसका सबसे ज्यादा फायदा किसानों को होगा, जब किसानों को फायदा होगा तो घरेलू उत्पादन बढ़ेगा। आयात कम होगा जो देश के लिए फायदेमंद होगा। यानी सरकार का यह फैसला किसान और देश हित में है।

इंडियन सुपर लीग–2024 में पहली बार आमने–सामने होंगे मोहम्मडन एससी और एफसी गोवा

कोलकाता।
एफसी गोवा और मोहम्मडन एससी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में पहली बार शनिवार रात कोलकाता स्थित किशोर भारती क्रीड़ांगन में भिड़ेंगे।

एफसी गोवा ने कोलकाता की टीमों के खिलाफ अपने पिछले पांच मुकाबलों में से चार जीते है, लेकिन गौर्स को इस साल की शुरुआत में मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ एकमात्र हार मिली थी। गौर्स ने कोलकाता में अवे मैचों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने ईस्ट बंगाल एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ अपने पिछले दो मैच जीते हैं।

वहीं, आईएसएल में पदार्पण करने वाली मोहम्मडन एससी ने अपने पहले मैच में जुझारूपन दिखाया था लेकिन अलादीन अजराई के 94वें मिनट के गोल के कारण नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से हार गई। उसी तरह, जॉर्डन मरे के इंजरी टाइम में गोल के कारण एफसी गोवा को जमशेदपुर एफसी से हार मिली।

मोहम्मडन एससी के रूसी हेड कोच एंड्री चेर्निशोव के अनुसार उनके रक्षात्मक और आक्रामक दोनों खिलाड़ियों को आईएसएल में विरोधियों का मुकाबला करने के लिए कुछ अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी।

चेर्निशोव ने कहा, हमें रक्षात्मक और आक्रामक दोनों पहलुओं में सुधार करने की आवश्यकता है। हम परिस्थितियों के हिसाब से ढलने की कोशिश करते हैं और अगले मैच में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। विदेशी खिलाड़ियों के लिए यहां तालमेल बिठाना आसान नहीं है। हर खिलाड़ी अपने तरीके से परिस्थितियों में ढलता है, कोई जल्दी, तो कोई देरी से खुद को ढालता है।

एफसी गोवा के स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज ने चोट संबंधी अपडेट दिए, क्योंकि गौर्स को आगामी कुछ मैचों में कई स्टार खिलाड़ियों की कमी खलेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि पहले मैच में मिली हार से उबरने के लिए टीम कड़ी मेहनत कर रही है।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों में पहले मैच में मिली हार का बदला लेने की भूख दिख रही है। लेकिन आप जीत की गारंटी नहीं दे सकते। खिलाड़ी जीत पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। मुझे लगता है कि शनिवार को मोहम्मडन एससी के खिलाफ वे कड़ी मेहनत करेंगे। हम जीतेंगे या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन हम अपना 100 प्रतिशत प्रयास करेंगे। मार्कुएज ने कहा, मोहम्मद यासिर को बड़ी चोट लगी है और वह एक महीने के लिए बाहर हो गया है। हमारे सभी घायल खिलाड़ी अक्टूबर के फीफा ब्रेक विंडो से पहले उपलब्ध नहीं होंगे। यासिर, संदेश झिंगन और इकर ग्वारोटक्सेना अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के ठीक बाद उपलब्ध हो सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

इटली का मुकाबला अर्जेंटीना व अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा

लंदन। डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे। इसमें गत विजेता इटली नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। अपने तीनों ग्रुप फाइनल मुकाबलों में विजेता रही इटली की टीम नॉकआउट चरणों के लिए अपनी टीम को बेहतर करने के प्रयास करेंगी। उसके शीर्ष खिलाड़ी जैपनिक सिनर, ग्रुप चरण से बाहर थे पर वह अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। अर्जेंटीना ने ब्रिटेन और कनाडा जैसे जैसी टीमों के कठिन ग्रुप में जीत के साथ ही यहां तक का सफर तय किया है। वहीं अर्जेंटीना की टीम दो एकल मैच और एक युगल मैच में इटली पर जीत का प्रयास करेगी। एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी टीम ऑस्ट्रेलिया का सामना करने तैयार रहेगी। ग्रुप फाइनल के दौरान दोनों टीमों के प्रमुख खिलाड़ी उपस्थित नहीं थे पर क्वार्टर फाइनल में वे नजर आ सकते हैं। वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, मेजबान स्पेन और नीदरलैंड खेलेगी जबकि कनाडा का मुकाबला जर्मनी से होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में नजर आ सकते हैं हार्दिक पंड्या

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या लंबे समय के बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रहे हैं। खबर है कि आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके खेलने की उनकी योजना हैं। खासकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले बड़े दौरे की तैयारी को ध्यान में रखते हुए मैदान में नजर आएगें। हार्दिक का मैदान में होना भारतीय क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। सूत्रों की माने तो पंड्या ने बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को घरेलू सफेद गेंद क्रिकेट में खेलने की इच्छा व्यक्त की है, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और फिटनेस को बढ़ावा मिलेगा। सूत्रों के अनुसार, पंड्या की यह पहल न केवल उनकी खुद की खेल में वापसी के लिए है, बल्कि यह भारतीय टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाने के प्रयास का भी एक हिस्सा हो सकता है।

कलिकेश नारायण सिंह बने नेशनल राइफल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष

नई दिल्ली। कलिकेश नारायण सिंह देव को नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) का

नया अध्यक्ष चुना गया है। 21 सितंबर 2024 को कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में हुए अध्यक्षीय चुनावों में उन्हें 36 मत प्राप्त हुए जबकि उनके प्रतिद्वंदी, वी.के. ढल को 21 मत प्राप्त हुए। राजस्थान उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश अनिल देव सिंह की निगरानी में चुनाव संपन्न हुए, जो चुनाव अधिकारी (आरओ) थे। एनआरएआई की एक विशेष आम सभा बैठक चुनाव कराने के लिए बुलाई गई थी। 67 पात्र सदस्यों में से 57 सदस्यों ने गुप्त मतदान के माध्यम से अपने वोट डाले। कलिकेश नारायण सिंह को 12 महीने की अवधि के लिए अध्यक्ष चुना गया है। परिणाम घोषित होने के बाद खुशी से भावुक कलिकेश नारायण ने कहा, यह एक शानदार लोकतांत्रिक चुनाव का उदाहरण था। मैं सभी सदस्यों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने आकर अपना समर्थन दिखाया। हम शूटिंग खेल को आगे बढ़ाने का इरादा रखते हैं। मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होगी कि नए हाई-परफॉर्मेंस केंद्र स्थापित हों, एनआरएआई नए कार्यक्रमों के साथ आए जो शूटिंग के बारे में जागरूकता फैलाएं, जिसमें शासन और नैतिकता पर पाठ्यक्रम भी शामिल हों। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि शूटिंग खेल जमीनी स्तर से लेकर टूर्नामेंट के शिखर तक फैले। हालांकि वी.के. ढल को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने उत्साही अंदाज में कहा, यह एक बहुत ही अच्छी तरह से लड़ा गया चुनाव था। मैंने कुछ मुद्दों को उठाया जो उठाने जरूरी थे। कई विसंगतियां थीं, कुछ चीजें ठीक नहीं थीं। मैंने मुद्दों को उठाया, कई दोस्तों ने मेरा समर्थन किया और मेरे साथ खड़े रहे। मैंने अच्छी लड़ाई लड़ी और मैं विजेता को बधाई देता हूं। नए एनआरएआई अध्यक्ष की तत्काल जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना होगी कि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप फाइनल का सुचारू संचालन हो, जो कि विश्व के शीर्ष निशानेबाजों के बीच वर्ष का समापन अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल का मुकाबला है।

लगी रिकॉर्ड्स की झड़ी, रहमानुल्लाह से लेकर राशिद खान के नाम हुए अनोखे कारनामे

अफगानिस्तान की द. अफ्रीका पर बड़ी जीत, गुरबाज ने ठोका शतक, सीरीज भी जीती

नई दिल्ली।
अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया। इस टीम ने शारजाह में खेले गए दूसरे वनडे मैच में साउथ अफ्रीका को हरा सीरीज अपने नाम कर ली। ये अफगानिस्तान की साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली सीरीज जीत है। इस जीत में अफगानिस्तान ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने चार विकेट खोकर 311 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका की टीम ये लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और 134 रनों पर ही ढेर हो गई। इसी के साथ अफगानिस्तान ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है।

बना दिए रिकॉर्ड

अफगानिस्तान के लिए इस मैच में रहमानुल्लाह गुरबाज ने शानदार शतक जमाया। उन्होंने 110 गेंदों पर 10 चौके और तीन छक्कों की मदद से 105 रनों की पारी खेली। गुरबाज का ये वनडे में सातवां शतक है। वह अफगानिस्तान के लिए वनडे में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में मोहम्मद शाहजाद को पीछे छोड़ा है जिनके नाम छह शतक हैं। रहमान 23 साल से पहले वनडे में सबसे ज्यादा शतक जमाने के मामले में अब तीसरे नंबर पर हैं। सचिन तेंदुलकर ने 23 साल का होने से पहले वनडे में आठ शतक जमाए थे। क्विंटन डिकॉक भी आठ शतक के साथ दूसरे नंबर पर हैं। गुरबाज सात शतकों के साथ तीसरे और विराट कोहली भी सात शतकों के साथ चौथे नंबर पर हैं।

अफगानिस्तान ने इस मैच में साउथ अफ्रीका को 177 रनों से मात दी। ये उसकी वनडे में रनों के लिहाज से अभी तक की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने जिम्बाब्वे को शारजाह में ही साल 2018 में 154 रनों से मात दी थी। ये साउथ अफ्रीका की वनडे में रनों के लिहाज से पांचवीं सबसे बड़ी हार है। वनडे में साउथ अफ्रीका को रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार भारत के खिलाफ 2023 में कोलकाता में मिली थी जब टीम इंडिया ने उसे 243 रनों से शिकस्त दी थी।

बर्थडे ब्वॉय का कमाल

दुनिया के घातक गेंदबाजों में एक राशिद खान ने इस मैच में अफगानिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने नौ ओवरों में 19 रन देकर पांच विकेट लिए। राशिद खान ने ये काम अपने जन्मदिन के मौके पर किया है। वह जन्मदिन पर सबसे अच्छी गेंदबाजी करने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

चेन्नई टेस्ट तीसरा दिन: भारत जीत से 6 कदम दूर

चेन्नई। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट अब रोमांचक दौर में पहुंच गया है। भारत ने दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन पर घोषित की और बांग्लादेश के सामने 515 रन का लक्ष्य रखा। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बांग्लादेश ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 158 रन बना लिए हैं और उसे अभी और 357 रन बनाने हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खराब रोशनी के कारण जल्द समाप्त कर दिया गया है। भारत ने बांग्लादेश के सामने जीत के लिए 515 रनों का लक्ष्य रखा है। जवाब में बांग्लादेश की टीम ने चार विकेट पर 158 रन बना लिए हैं और उसे अभी जीत के लिए और 357 रन बनाने होंगे, जबकि भारत छह विकेट लेते ही यह मुकाबला अपने नाम कर लेगा। स्टंप्स के समय कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 60 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 51 रन और शाकिब अल हसन 14 गेंदों पर पांच रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारत की ओर से ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने तीन विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट अपने नाम किया।

ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर सर्वाधिक शतक लगाने के एमएस धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी की

चेन्नई।
ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में भारतीय विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक शतक लगाने के एमएस धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उन्होंने यह उपलब्धि चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन अपना छठा शतक लगाकर हासिल की।

पंत ने 124 गेंदों पर शतक बनाया, जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल थे। दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना के बाद, लगभग दो साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी पर उन्होंने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

इस साल की शुरुआत में, पंत ने 2024 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान पेशेवर क्रिकेट में वापसी की, जहाँ उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की। इसके बाद उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम में अहम भूमिका निभाई। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुने जाने से पहले पंत ने दलीप ट्रॉफी के जरिए लाल गेंद वाले क्रिकेट में वापसी की।

टेस्ट में शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर

ऋषभ पंत – 6, एमएस धोनी – 6, ऋद्धिमान साहा – 3

टेस्ट में शतक लगाने वाले विकेटकीपर

एडम गिलक्रिस्ट (ऑस्ट्रेलिया) – 17, एंडी फ्लावर (जिम्बाब्वे) – 12, लेस एम्स (इंग्लैंड) – 8, एबी डिविलियर्स (दक्षिण अफ्रीका) – 7, एमजे प्रायर (इंग्लैंड) – 7, कुमार संगकारा (श्रीलंका) – 7, बीजे वाटलिंग (इंग्लैंड) – 7, क्विंटन डी कॉक (दक्षिण अफ्रीका) – 6, एमएस धोनी (भारत) – 6, कामरान अकमल (पाक) – 6, मुश्फिकुर रहीम (बांग्लादेश) – 6, एजे स्टीवर्ट (इंग्लैंड) – 6, ऋषभ पंत (भारत) – 6।

अश्विन ने जडेजा की प्रतिभा पर तारीफ की

चेन्नई। भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने जोड़ीदार रविंद्र जडेजा की असाधारण प्रतिभा की जमकर प्रशंसा की। अश्विन ने कहा कि वह जडेजा की प्रतिभा से ईर्ष्या करते हैं और उनकी तरह बनने की ख्वाहिश रखते हैं। दोनों ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट में एक नई स्पिन जोड़ी बनाई है, जिसने बांग्लादेश के खिलाफ हालिया टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया।

सीनियर वूमेंस नेशनल फुटबाल चैम्पियनशिप के लिए चयन शुरु

मुरादाबाद।
जिला फुटबाल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने शनिवार को बताया कि नेताजी सुभाषचंद बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद में आज से सीनियर वूमेंस नेशनल फुटबाल चैंपियनशिप 2024-25 हेतु प्रदेश की टीम का चयन प्रारंभ हो गया। इसका समापन 22 सितम्बर को होगा। इसमें प्रदेश के सभी 18 मंडलों की खिलाड़ी प्रतिभाग कर रही हैं। महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने आगे बताया कि चयन के उपरांत 23 सितम्बर को से 15 दिवसीय 25 संभावित उत्कृष्ट खिलाड़ियों का प्रशिक्षण कैम्प सोनकपुर स्टेडियम में ही आरम्भ हो जाएगा, जो 7 अक्टूबर तक चलेगा। प्रशिक्षण उपरांत 22 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन के बाद टीम सीनियर नेशनल वूमेंस फुटबाल चैंपियनशिप में प्रीतिभाग करने नोएडा रवाना हो जाएगी।

शतरंज ओलंपियाड, राउंड 9: भारतीय पुरुष टीम ने उज्बेकिस्तान से 2-2 से ड्रा खेला

नई दिल्ली।
शतरंज ओलंपियाड 2024 में भारतीय पुरुष टीम का जीत का सिलसिला शुक्रवार देर रात को हंगरी के बुडापेस्ट में एसवाईएमए स्पोर्ट्स एंड कॉन्फ्रेंस सेंटर में ओपन सेक्शन के नौवें दौर में गत चैंपियन उज्बेकिस्तान से 2-2 से ड्रा होने के बाद समाप्त हो गया।

डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगैसी और विदित गुजराती ने अपने-अपने मैच ड्रॉ कराए, जिससे भारत अंक तालिका में शीर्ष पर बना रहा। जहां विश्व में पांचवें नंबर के गुकेश ने कड़ा मुकाबला खेला और विश्व में छठे नंबर के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को तीन बार ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया, वहीं विदित और जाखोंगिर वाखिदोव ने पहले 10 मिनट में ही मैच ड्रॉ करा लिया।

जावोखिर सिंदारोव ने अपनी गहरी शुरूआती तैयारी से प्रज्ञानानंद पर जबरदस्त दबाव बनाया, लेकिन अंत में प्रग्गनानंधा ने नियंत्रण हासिल कर खेल को ड्रा करा दिया। हालांकि, शमसिद्दीन वोखिदोव के खिलाफ बेहतर स्थिति में नहीं पहुंच पाने से अर्जुन निराश होंगे। भारतीय महिला टीम ने यूएसए के खिलाफ अपना राउंड 2-2 से ड्रॉ किया।

भारत ने खराब फॉर्म में चल रही हरिका द्रोणवल्ली को शीर्ष बोर्ड से हटाकर आर. वैशाली के साथ खेला, लेकिन इससे बोर्ड नंबर 1 पर भारत की किस्मत नहीं बदली, क्योंकि गुलरुखबेगिम तोखिरजोनोवा ने वैशाली को ओवरप्रेसिंग के लिए दंडित किया। तानिया सचदेव ने एलिस ली के खिलाफ अनुकूल स्थिति से ड्रॉ खेला, जबकि दिव्या देशमुख ने शानदार खेल दिखाते हुए कैरिसा यिप के साथ जीत साझा की।

एक बार फिर वंतिका अग्रवाल ने महिला टीम को बचाया, क्योंकि उन्होंने इरिना क्रश के खिलाफ रागोजिन डिफेंस ऑफ क्वीन गैम्बिट डिक्लाइन्ड गेम को बेहतरीन तरीके से बदला।

इस ड्रॉ का मतलब यह भी था कि भारत 15 मैच पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया, जबकि कजाकिस्तान 16 मैच पॉइंट के साथ शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि दो राउंड और बचे हैं।

ओपन सेक्शन में, भारतीय टीम अभी भी दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम पर दो मैच पॉइंट की बढ़त रखे हुए है। यूएसए दूसरे स्थान पर है, जबकि उज्बेकिस्तान तीसरे स्थान पर खिसक गया है।

ओपन इनामी रैपिड शतरंज स्पर्धा आज

इन्दौर (ईएमएस) डॉक्टर अजीत कुमार सिंह कासलीवाल की 85 वीं जन्म जयंती के अवसर पर ऑल इंदौर चेस एसोसिएशन द्वारा 22 सितंबर रविवार को एक दिवसीय ओपन इनामी रैपिड शतरंज स्पर्धा एकेडमी सभागार 52 कंचन बाग पर आयोजित की जा रही है। आयोजन सचिव अनिल फतेहचंदानी के अनुसार स्पर्धा दो वर्गों यथा अंडर 10 व ओपन वर्ग में होगी। स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक खिलाडी संजय अजीत कासलीवाल मेमोरियल चेस अकैडमी 52 कंचन बाग पर पीयूष जमींदार से संपर्क कर सकते हैं।

रियल मैड्रिड के कोच एंसेलोटी ने अपनी टीम की खेल शैली की आलोचना को किया खारिज

नई दिल्ली।
रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा कि मौजूदा सत्र की शुरुआत में उनकी टीम को मिल रही आलोचना में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है।

हालाँकि परिणाम उनके पक्ष में रहे हैं, लेकिन रियल मैड्रिड ने हाल के मैचों में अपनी किस्मत आजमाई है, पिछले सप्ताह रियल सोसिएदाद ने उनके खिलाफ तीन बार पोस्ट पर हिट किया, जबकि चैंपियंस लीग में, स्टटगार्ट ने अधिक मौके बनाए, हालांकि दो गोलकीपिंग त्रुटियों ने मैड्रिड को 3-1 से जीत दिलाई।

शनिवार को एस्पेनयोल के खिलाफ घरेलू मैच से पहले मिडफील्ड और डिफेंस में संतुलन की कमी के बारे में पूछे जाने पर, एंसेलोटी ने जोर देकर कहा कि वह परिणामों में अधिक रुचि रखते हैं।

उन्होंने कहा, यह मुझे परेशान नहीं करता कि लोग कहते हैं कि मैड्रिड खराब खेलता है क्योंकि मैं देखता हूं कि हमारे प्रशंसक हमारे प्रदर्शन से खुश हैं।

कोच ने कहा, मुझे लगता है कि रियल मैड्रिड के प्रशंसक रॉक एंड रोल फुटबॉल के आदी हैं और बहुत सारे पास के आदी नहीं हैं। और सबसे बढ़कर उन्हें अच्छा खेलने से ज्यादा जीतना पसंद है।

इटालियन ने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि उनकी टीम असंतुलित दिखती है, जिसमें जूड बेलिंगहैम, विनीसियस, काइलियन एमबाप्पे और रोड्रिगो जैसे खिलाड़ी अधिक आक्रामक हैं, जबकि एडुआर्डो कैमाविंगा के टखने की चोट के कारण उनके पास होल्डिंग मिडफील्डर की कमी है।

उन्होंने कहा, संतुलन सामूहिक कार्य है जिसे मैं दो फॉरवर्ड या तीन के साथ कर सकता हूं। एक नया मिडफील्डर लाने का मतलब यह नहीं है कि आपके पास अधिक संतुलन है। बहस यह हो सकती है कि बेलिंगहैम क्या है: फॉरवर्ड या मिडफील्डर? हम नहीं जानते।

उन्होंने कहा, मुझे अपनी टीम को अच्छी तरह से बचाव करते हुए देखना पसंद है, कब्जे में समय बर्बाद नहीं करना और लंबवत रहना। यह परिभाषित करना मुश्किल है कि सुंदर फुटबॉल क्या है।

एंसेलोटी के पास एस्पेनयोल का सामना करने के लिए जूड बेलिंगहैम और ऑरेलियन टचौमेनी दोनों उपलब्ध हैं, जो पिछले सप्ताहांत में अलावेस के खिलाफ घरेलू मैदान पर जावी पुआडो की हैट्रिक की बदौलत 3-2 से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी फॉर्म में मैड्रिड की यात्रा कर रहे हैं।

एस्पेनयोल एक ऐसी टीम है जो पारंपरिक रूप से मैड्रिड में खराब प्रदर्शन करती है और घरेलू मैदान पर आरामदायक जीत के अलावा कुछ भी उसके लिए आश्चर्यजनक होगा।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

आपके लिए खतरनाक है धूम्रपान

शोध से यह पता चलता है कि धूम्रपान और मानसिक स्वास्थ्य का परस्पर घनिष्ठ संबंध है। 2700 लोगों पर एक शोध किया गया और पाया गया कि धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, उन व्यक्तियों की तुलना में जो धूम्रपान नहीं करते, अधिक चिंतित व उदास रहते हैं। उनका मानसिक स्वास्थ्य सही नहीं रहता। जो लोग इस आदत से छुटकारा नहीं पा सकते, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर तो इसका बहुत ही बुरा असर पड़ता है।

मिट्‌टी में सोने के अद्‌भुत फायदे

मिट्टी में सोने से कई फायदे होते हैं। इसका उपयोग कई तरह के रोगों के इलाज में भी किया जाता है। इससे नींद न आना, स्नायु की कमजोरी और खून की खराबी आदि रोग दूर होते हैं। इसके अलावा मिट्टी की मालिश-मिट्टी को शरीर पर अच्छी तरह से मलने से और शरीर पर लगाने से जहरीले तत्व शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साबुन के स्थान पर शुद्ध मिट्टी लगाकर नहाने से कई प्रकार के रोगों में फायदा होता है।

घरेलू उपचार

पित्त और कफ विकारों में गूलर का चमत्कार...

मोरासी परिवारी का सदस्य गूलर लंबी आयु वाला वृक्ष है। इसका वनस्पतिक नाम फीकुस ग्लोमेराता रौक्सबुर्ग है। यह सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है। यह नदी-नालों के किनारे एवं दलदले स्थानों पर उगता है। इसके फल गोल, गुच्छों में लगते हैं। फल मार्च से जून तक आते हैं। कच्चा फल छोटा हरा होता है पकने पर फल मीठे, मुलायम तथा छोटे-छोटे दानों से युक्त होते हैं। इसका फल देखने में अंजीर के फल जैसा लगता है। इसके तने से क्षीर निकलता है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के अनुसार गूलर का कच्चा फल कसैला और दाहनाशक है। पका हुआ गूलर रुचिकारक, मीठा गूलर शीतल, पित्तशामक, तृषाशामक, श्रमहर, कब्ज मिटाने वाला तथा पौष्टिक है। इसकी जड़ में रक्तस्राव रोकने तथा जलन शांत करने का गुण है। गूलर के कच्चे फलों की सब्जी बनाई जाती है तथा पके फल खाए जाते हैं। इसकी छाल का चूर्ण बनाकर या अन्य प्रकार से उपयोग किया जाता है। गूलर के नियमित सेवन से शरीर में पित्त एवं कफ का संतुलन बना रहता है। इसलिए पित्त एवं कफ विकार नहीं होते। साथ ही इससे उदरस्थ अग्नि एवं दाह भी शांत होते हैं। पित्त रोगों में इसके पत्तों के चूर्ण का शहद के साथ सेवन भी फायदेमंद होता है।

मधुमेह में राहतः गूलर की छाल ग्राही है, रक्तस्राव को बंद करती है। साथ ही यह मधुमेह में भी लाभप्रद है। गूलर के कोमल-ताजा पत्तों का रस शहद में मिलाकर पीने से भी मधुमेह में राहत मिलती है। इससे पेशाब में शर्करा की मात्रा भी कम हो जाती है।

बवासीर में फायदेमंदः गूलर के तने का दूध बवासीर एवं दस्त के लिए श्रेष्ठ दवा है। खूनी बवासीर के रोगी को गूलर के ताजा पत्तों का रस पिलाना चाहिए। इसके नियमित सेवन से त्वचा का रंग भी निखरने लगता है।

बिवाई फटने परः हाथ-पैरों की त्वचा फटने या बिवाई फटने पर गूलर के तने के दूध का लेप करने से आराम मिलता है, पीड़ा से छुटकारा मिलता है। गूलर से स्त्रियों की मासिक धर्म संबंधी अनियमितताएं भी दूर होती हैं। स्त्रियों में मासिक धर्म के दौरान अधिक रक्तस्राव होने पर इसकी छाल के काढ़े का सेवन करना चाहिए। इससे अत्याधिक बहाव रुक जाता है। ऐसा होने पर गूलर के पके हुए फलों के रस में खांड या शहद मिलाकर पीना भी लाभदायक होता है।

मुंह के छालेः मुंह के छाले हों तो गूलर के पत्तों या छाल का काढ़ा मुंह में भरकर कुछ देर रखना चाहिए। इससे फायदा होता है। इससे दांत हिलने तथा मसूढ़ों से खून आने जैसी व्याधियों का निदान भी हो जाता है। यह क्रिया लगभग दो सप्ताह तक प्रतिदिन नियमित रूप से करें।

जलने परः आग से या अन्य किसी प्रकार से जल जाने पर प्रभावित स्थान पर गूलर की छाल को लेप करने से जलन शांत हो जाती है। इससे खून का बहना भी बंद हो जाता है। पके हुए गूलर के शरबत में शक्कर, खांड या शहद मिलाकर सेवन करने से गर्मियों में पैदा होने वाली जलन तथा तृषा शांत होती है।

नेत्र विकारः आंखों में पानी आना, जलन होना आदि के उपचार में भी गूलर उपयोगी है। इसके लिए गूलर के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसे साफ और महीन कपड़े से छान लें। ठंडा होने पर इसकी दो-दो बूंद दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र ज्योति भी बढ़ती है। नकसीर फूटती हो तो ताजा एवं पके हुए गूलर के लगभग 25 मिली लीटर रस में गुड़ या शहद मिलाकर सेवन करने या नकसीर फूटना बंद हो जाती है। किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर या वैद्य की सलाह से ही करें।

सेहतमंद रहने की अनोखी विधि

- अपनाएं गंडूषकर्म या ऑइल पुलिंग तकनीक
- शरीर से विषों को निकालने की आयुर्वेद विधि
- छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा
- पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय, भारतीय नहीं जानते

मामूली से खर्च में हमेशा स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की विधि है गंडूषकर्म या तेल चूषण विधि। मुख के अंदर तेल भरकर कुछ समय तक रखने या चूसने मात्र से अनेकानेक रोगों से छुटकारा मिल सकता है। यह बहुत पुरानी आयुर्वेद की चिकित्सा है जिसको आज सिर्फ कुछ गिने चुने लोग ही जानते हैं। आज पश्चिमी जगत इसको आइल पुलिंग थेरेपी के नाम से जानता है। आयल पुलिंग शरीर से विषों को निकाल डी टॉक्सिफाई करने की आसान सरल और सस्ती विधि है। छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा दिलाने में बहुत अहम है यह प्रक्रिया। यह विधि आज पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय है, मगर दुर्भाग्य है कि भारत के लोग ही इसको नहीं जानते। आज हम आपको इसी विधि के बारे में बताएंगे। इससे शरीर विषमुक्त तो होगा ही साथ ही साथ नई ऊर्जा और रोग मुक्त हो कर आप बिल्कुल नया अनुभव करेंगे।

आश्चर्यजनक शोध

ऑइल पुलिंग को आयुर्वेद में गंडूषकर्म के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक पर हाल के ही दिनों में कुछ शोधकर्ताओं ने शोध भी किए हैं और उनके परिणाम इतने सकारात्मक निकले हैं कि भरोसा करना मुश्किल है। कुछ रोगों में तो लाभ महज दो दिनों में ही सामने आ जाता है, जबकि कुछ में एक साल का समय लग जाता है।

आमतौर पर फायदे के लिए ऑइल पुलिंग तकनीक को कम से कम लगातार चालीस से पचास दिनों तक प्रयोग में लाए जाने के आवश्यकता होती है।

आइल पुलिंग की विधि

सवेरे उठकर मुंह साफ करने के बाद लेकिन नाश्ते से पहले एक बड़ा चम्मच 10 एमएल सूरजमुखी का तेल, या तिल का तेल, या मूंगफली का तेल लीजिए, इसको मुंह में भर लेने के बाद मुंह बंद रखकर उसे मुंह में घुमाए और दांतो से खींचे और ऐसा 15-20 मिनट तक करें। अन्य शब्दों में, तेल को चबाने की क्रिया करे। चबाते समय ठोड़ी को हिलाएं (घोड़े द्वारा दाना खाने के समान)। इससे अच्छी लार बनती है और मुख की श्लैष्मिक झिल्ली के माध्यम से रक्तदोष और विष खींच लिए जाते हैं। मुंह में तेल भरकर इस क्रिया को करने से 15-20 मिनट में तेल दूषित, पतला और सफेद हो जाता हैं। इसके बाद दूषित तेल को थूक दीजिए।

कुछ सावधानियां रखें

किसी भी हालत में इस जहरीले तेल को निगलना नहीं हैं। इसके बाद मुंह को अच्छी तरह धो लीजिए और दातुन या दंत मंजन कर लीजिये। आइल पुलिंग के बाद शरीर के जहरीले तत्व तेल के साथ मुंह में आ जाते हैं। यह चिकित्सा रोगी को अपने रोग अनुसार दिन में दो या तीन बार करनी चाहिए। ध्यान रहे यह करने से पहले पेट खाली ही हो, अर्थात भोजन के पहले ही करना है।

ताजे और पुराने रोग

ताजे रोग और प्रारंभिक चिकित्सा काल के संक्रमण 2 से 4 दिन में शीघ्रता से ठीक हो जाते हैं परंतु पुरानी बीमारियां ठीक होने में अधिक समय लग जाता है। अतः चिकित्सा प्रक्रिया छोड़नी नहीं चाहिए। प्रयोग के प्रारंभ में खासकर एक से अधिक रोग वाले रोगी की तकलीफे बढ़ सकती हैं। जैसे शरीर का तापमान बढ़ जाना इत्यादि। ऐसी स्थिति में घबराकर चिकित्सा नहीं छोड़ें। बिना किसी दखल के अपने आप सब ठीक हो जाता है। ऐसे लक्षण इस बात का सूचक हैं के रोग खत्म हो रहा है और चय अपचय बढ़ने से रोगी का स्वास्थ्य सुधर रहा है।

इन बीमारियों से छुटकारा

आइल पुलिंग से निरंतर स्वस्थ रहने को तो बल मिलता है। इसके इलावा जिन रोगो के ठीक होने का दावा विज्ञान भी करता है उनमें खास हैं दांतों की बीमारियां, मसूड़ों से खून का बहना, दांत दर्द, दांतो का पीलापन, पुराने रक्त रोग, झाइयां, झुर्रियां, सिरदर्द, श्वासनली की सूजन (ब्रोंकाइटिस), थ्रोम्बोसिस, हृदय रोग, गुर्दे और मूत्र संबंधी बीमारियां, पेट, फेफड़े और जिगर के रोग, अस्थिरोग, चर्मरोग, स्नायु रोग, पक्षाघात, अनिद्रा आदि। यह प्रक्रिया कैंसर में भी बहुत लाभदायक है।

ये हैं फायदे

आयल पुलिंग से विषैले ट्यूमर का बनना रुक जाता है और धीरे धीरे रोग समाप्त हो जाता है। इसके परिणाम से आंखों के नीचे काले घेरे मिट जाते हैं और ताजगी, स्फूर्ति, शक्ति, स्मरणशक्ति, बढ़ जाती है।

इंटरेस्टिंग फैक्ट

ब्रेन के हुनर की वजह से यात्रा के दौरान आती है मितली...

बस या कार में यात्रा करते हुए जी मचलना या उल्टी आना, ऐसी परेशानी बहुत लोगों को होती है। असल में ऐसा मस्तिष्क के जबरदस्त हुनर के चलते होता है। बस, कार, विमान या पानी के जहाज में यात्रा करने के दौरान शरीर और मस्तिष्क के बीच एक असमंजस की स्थिति बन जाती है। यात्रा के दौरान दिमाग को ऐसा लगता है जैसे शरीर में जहर फैल रहा है। जान बचाने के लिए मस्तिष्क हरकत में आता है। जी मचलने लगता है और उल्टी सी आने लगती है। इस तरह दिमाग शरीर से विषैले तत्वों को बाहर करने की कोशिश करता है। लेकिन दिमाग को ऐसे संकेत मिलते क्यों हैं? इसका कारण समझाते हुए डॉक्टर कहते हैं कि यात्रा के दौरान सीट पर बैठा इंसान स्थिर होता है लेकिन कान लगातार गति की आवाज मस्तिष्क तक पहुंचा रहे होते हैं। कान, दिमाग को बताते हैं कि हम गतिशील है। एक तरफ स्थिर शरीर होता है तो दूसरी तरफ गति से जुड़ी जानकारी। ऐसी परस्पर विरोधाभासी जानकारी मिलने पर मस्तिष्क को लगने लगता है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

कान के भीतर बैलेंस सेंसर

अगर आप पानी के जहाज में बैठे हैं और बाहर सब एक समान है तो आपकी आंखें गति की जानकारी नहीं देती हैं, लेकिन हमारे कानों में द्रवीय पदार्थ होते हैं जो भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों पर चलते हैं। गति के दौरान ये द्रवीय पदार्थ गतिमान होते हैं। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क को कई तरह के सिग्नल मिलते हैं। मांसपेशियां और आंखें बता रही होती हैं कि हम स्थिर हैं और कान के बैलेंस सेंसर कह रहे होते हैं कि हम गतिमान हैं। ये दोनों विरोधाभासी संकेत सही नहीं हो सकते। दिमाग को पता चल जाता है कि कुछ गड़बड़ है। लाखों साल के क्रमिक विकास के दौरान दिमाग यह सीख चुका है कि ऐसी गड़बड़ तभी होती है जब शरीर के भीतर विषैले तत्व आ जाएं। उनसे निपटने के लिए ब्रेन तुरंत हरकत में आता है और मितली सी आने लगती है या उल्टी होने लगती है।

कैसे बचें

यात्रा के दौरान आगे तरफ देखते हुए अगर आंखें खुली रखी जाएं तो काफी आराम मिलता है। असल में ऐसा करने से दिमाग को पता चलता है कि हम गतिमान हैं और वह इस तथ्य को स्वीकार कर लेता है और बचाव की मुद्रा में नहीं आता है। आम तौर पर बच्चों या कम सफर करने वालों को ऐसी समस्या सबसे ज्यादा होती है। बच्चों का दिमाग विकास कर रहा होता है, वह यात्रा करने का आदी नहीं होता, इसीलिए बचपन में ऐसी तकलीफ ज्यादा होती है लेकिन धीरे धीरे उम्र बढ़ने और यात्रा के बढ़ते अनुभव के साथ मस्तिष्क इसे समझ जाता है और तालमेल बैठा लेता है।

समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए। इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं। इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

रेसिपी

मलाई कोफ्ता

सामग्री

कोफ्ता सामग्री: 200 ग्राम उबले आलू, 200 ग्राम पनीर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 100 ग्राम मकई आटा, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच नमक, 1 चम्मच धनिया, 1/2 चम्मच हरी मिर्च, काजू, **ग्रेवी सामग्री**: 50 मि.ली. जैतून तेल, 4 लौंग, 1 इलायची और दालचीनी, 3/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 150 ग्राम प्याज, गरम मसाला, 1 चम्मच लाल मिर्च, 1/2 चम्मच हल्दी, 100 ग्राम काजू, 100 ग्राम टमाटर, 50 मि.ली. जल, 50 मि.ली. दही, 1 चम्मच हरी मिर्च, 100 मि.ली. टमाटर, 50 मि.ली. क्रीम

विधि

एक बर्तन में उबले आलू,पनीर,लाल मिर्च पाउडर, मकई का आटा, गरम मसाला,नमक,धनिया, हरी मिर्च आदि को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। तैयार किए मिश्रण का एक छोटा सा हिस्सा लेकर इसकों कोफ्ते का आकार दें और सुनहरा भूरा होने तक भून लें। फिर इसे निकालकर कागज पर रख लें। अब एक पैन में जैतून का तेल डालकर गर्म कर लें और इसमें लौंग, बड़ी इलायची, दालचीनी, हरी इलायची, काली मिर्च डालकर कर चलाएं। इन रंग सुनहरा होने तक इसमें अदरक और लहसुन का पेस्ट, प्याज डालें। फिर इसमें नमक, गरम मसाला,लाल शिमला मिर्च,चम्मच हल्दी पाउडर डाल कर मिक्स कर लें। इसके बाद काजू,टमाटर और पानी डालकर 5 मिनट तक पकने दें। जब तक यह सामग्री अच्छे से मिक्स हो जाएं इसको ब्लेंड कर दें। अब एक पैन लेकर उसमें जैतून का तेल डालकर हरी मिर्च, टमाटर प्यूरी को भूनें। इसके बाद पेन में पानी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकने दें। इसमें ताजा क्रीम और तले हुए कोफ्ते अच्छी तरह से मिश्रित करें। मलाई कोफ्ता तैयार होने के बाद इसको धनिया के साथ गार्निश करें।

मिनी अनियन समोसा

सामग्री

आटे के लिए: 1/2 कप मैदा, 1 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए**: 1 कप प्याज, 2 किलो तेल, 1/2 स्पून ज़ीरा, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून गरम मसाला, 1/2 स्पून अमचुर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून कटा हुआ हरा धनिया, 1 स्पून बेसन, **अन्य सामग्री**: तलने के लिए तेल , परोसने के लिए: टमैटो कैचप, हरी चटनी

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल मे डालकर ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। एक तरफ रख दें। **भरवां मिश्रण के लिए**: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज और नमक डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। आंच से हठाकर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, अमचुर, हल्दी पाउडर, धनिया और बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। आटे को नरम होने तक गूथ लें और 20 भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को 75 मिमी। अंडाकार में बेल लें। गोले को चाकू से 2 भाग में तिरछा काट लें। एक भाग को निकालकर कोन के आकार में मोड़कर पानी से चिपका लें। कोन को 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण से भरे और किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर चिपका लें। बचे हुए आटे और भरवां मिश्रण का प्रयोग कर 19 और मिनी समोसे बना लें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई मे तेल गरम करें, समोसे डालकर, मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल ले। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमैटो कैचप और हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**